ISSN 2349-6614

अक्टूबर 2024

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

पेरिस पैरालंपिक गेम्सः सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

अभी तो सिर्फ शुरुआत है, आगे रचने कई इतिहास हैं...

CHUNDA PALACE

MAJESTIC INVITING TRANQUIL

JOYFUL MAGICAL POETIC

SUBLIME ETERNAL INSPIRING

MUCH MORE THAN A HOTEL

1 Haridas Ji Ki Magri, Main Road, Udaipur 313001, Rajasthan, India | Reservations: +91-294-2430251-252, 2430492 Facsimile: +91-294-2430889 | E-mail: info@chundapalace.com Website: www.chundapalace.com

अक्टूबर 2024 वर्ष: 22 अंक: 06

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

नवरात्रि एवं ज्योतिपर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

नवरात्र

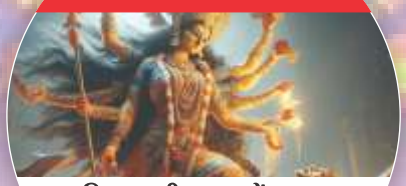

पवित्रता की परात में साधना की सौगात
पेज 06

करवा चौथ

प्रेम और समर्पण का व्रत...
पेज 10

विकल्प

धड़कने को तैयार 'कृत्रिम दिल'
पेज 16

मार्गदर्शन

समाज की अनमोल धरोहर बुजुर्ग
पेज 24

व्यक्ति चर्चा

राजनीतिक बिसात पर गोटियां बिछाने में माहिर हैं चिराग
पेज 35

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

अलख

अलख नयन
आई हॉस्पिटल

दक्षिण राजस्थान का एकमात्र
सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल

दक्षिण राजस्थान में पहला NABH मान्यता प्राप्त नेत्र चिकित्सालय

विश्व स्तरीय सुपर स्पेशलाइज्ड नेत्र चिकित्सा सेवाएं

मोतियाबिन्द
- फेको इमल्सिफिकेशन
- याग लेजर कैप्सूलोटमी (झिल्ली हटाना)
- पिग्गी बैक लेंस, हाइड्रोफोबिक, टोरिक,
- ट्राई फोकल, मल्टीफोकल लेंस

रिफ्रैक्टिव
- लेसिक लेजर Epi -लेसिक
- PTK रिफ्रैक्टिव ICL सर्जरी

बाल नेत्र चिकित्सा
- समर्पित बाल प्रतीक्षालय
- विशिष्ट बाल नेत्र चिकित्सक
- विशिष्ट बाल ओ. पि. डि. वार्ड ,निदान एवं जाँच

ग्लूकोमा (कालापानी)
- ट्रबैक्युलेक्टोमी विथ ओलोजेन
- एन. डी. याग लेजर ट्रैबेकुलोप्लास्टी
- ऑटोमेटेड फील्ड चार्टिंग
- एप्लायनेशन टोनोमेट्री
- गोनियस्कोपी.
- पैकीमेंट्री एन. सी. टी.
- एच. वी. ऍफ.
- ओ. सी. टी.
- नॉन कांटेक्ट टोनोमेट्री

रेटिना
- डीटेचमेंट सर्जरी
- न्यूमैटिक रेटिनोपैक्सी
- सिलिकॉन आयल सर्जरी
- रेटिनल क्रायोपेक्सी
- पार्स प्लाना लेंसेक्टोमी
- रेड एवं ग्रीन लेज़ र
- डिस्लोकेटेड लेंस सर्जरी
- विटरस सर्जरी
- मैक्युलर हॉल सर्जरी
- डाइबिटिक रेटिनोपैथी की जाँच ,इलाज एवं सर्जरी
- फ्लुरोसिन एवं आई. सी. जी. एंजियोग्राफी
- नवजात शिशुओं में ROP

कॉर्निया (काली टिक्की)
- कॉर्नियल टियर रिपेयर
- केरेटोकोनस C3R.
- टेरिजेयम (मांस हटाना)
- एम्. एम्. सी. ऑटोग्राफ्ट के द्वारा
- कॉर्नियल प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांटेशन)
- टिश्यू एडहेसिव + बी. सी. एल.
- एमनीओटिक मेम्ब्रेन ग्राफ्ट
- शुष्क नेत्र प्रबंधन
- नेत्र कोष
- स्टेम सेल प्रत्यारोपण पेंटकॉम, स्पेक्युलर माइक्रोस्कोप ,
- DSEK
- DMEK
- DALK

ओक्यूलोप्लास्टिक एवं लो विज़न
- नेत्र पलक की सर्जरी
- पलक की ग्रंथि में गांठ
- डैक्रियोसिस्टोरिनोस्टॉमी
- लेजर डि सी आर
- इन्यूक्लिएशन और इविसेरेशन
- संक्रमित /कैंसर युक्त आँख निकालना
- भेंगापन से मुक्ति
- सॉकेट रिकंस्ट्रक्शन एंड लिड टेअर रिकंस्ट्रक्शन

24/7 Emergency Services

PRAN

24 /7 आपातकालीन सेवाएं –सभी सरकारी योजनाओ एवं निजी स्वास्थ्य बिमा कंपनियों से अनुबंधित

'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर ✆ 0294-2490970
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

सुनिश्चित हो सुरक्षित रेल यात्रा

पिछले कुछ महीनों से रेलों को निशाना बनाने और उनमें यात्रियों से दुर्व्यवहार की घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले अगस्त-सितम्बर में ऐसी ही कुछ घटनाएं साजिशों की तरफ भी इशारा करने वाली रहीं। सितम्बर माह के पहले ही पखवाड़े में ट्रेनों को बेपटरी करने के पांच मामले सामने आए। जिनमें कानपुर की वह घटना भी शामिल है, जिसमें कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने के लिए गैस से भरा एक सिलेण्डर रखा गया था, लेकिन ट्रेन ड्राइवर की सूझबूझ ने उस हादसे को टाल दिया। अगस्त में छोटे-बड़े ऐसे ही 15 मामले सामने आए। पटरियों पर वस्तुएं मिलने की पिछले महीनों दो दर्जन से अधिक घटनाएं सामने आईं, जो स्पष्टत: किसी साजिश की तरफ भी इशारा करती हैं। यह तो गनीमत है कि रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता से साजिश रचने वाले तत्व अपने नापाक इरादों में सफल नहीं हो पा रहे हैं। अजमेर में दो ट्रेनों को डीरेल करने के षड़यंत्र को पुलिस ने भी गंभीरता से लेते हुए इसे साजिश का हिस्सा होने से इनकार नहीं किया है।

22 अगस्त का वह दिन भूला नहीं जा सकता जब वाराणसी-अहमदाबाद-साबरमती एक्सप्रेस के 22 डिब्बे कानपुर के पास ही पटरी से उतर गए थे, जब इंजन एक वस्तु से टकरा गया था। इसके अलावा उत्तरप्रदेश के गोंडा जिले में चंडीगढ़-डिब्रूगढ एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने से चार यात्रियों को प्राणों से हाथ धोना पड़ा। मथुरा-दिल्ली रेलमार्ग पर वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन के निकट 18 सितम्बर को मालगाड़ी के 27 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इस मार्ग पर दो-तीन दिन रेल यातायात प्रभावित हुआ।

भारत का सबसे बड़ा रेल विभाग है, जिसके लगभग 12 लाख कर्मचारी देशभर में रेल संचालन में रात-दिन मुस्तैद रहते हैं। हालांकि यह तर्क भी अपनी जगह सही है कि कोई भी असामाजिक तत्व रेल पटरियों को हादसे का माध्यम बनाकर जानमाल का बड़ा नुकसान कर सकता है। क्योंकि देश में पटरियां आमतौर पर खुली हैं। इतने बड़े देश में उन्हें सुरक्षा की दृष्टि से हर जगह घेर पाना हाल-फिलहाल संभव नहीं है। बावजूद इसके रेलवे से संबद्ध सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह चाक-चौबंद हैं। इसके लिए रेल संरक्षा आयोग की प्रशंसा भी करनी होगी। यह आयोग नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है, जिसका मुख्य दायित्व यह देखने का है कि रेल यात्रा और रेलों के परिचालन से जुड़ी सुरक्षा-व्यवस्था में कहीं कोई कमी अथवा दोष तो नहीं है? सुरक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार पर यह काम करता रहता है। हालांकि दुर्घटनाओं और अपराधों को रोकने के लिए ट्रेनों और स्टेशनों के साथ-साथ संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। तीन हजार से अधिक डिब्बों और सात सौ से अधिक स्टेशनों पर यह व्यवस्था की गई है। दो सौ से अधिक स्टेशनों पर निगरानी तंत्र को बेहतर बनाने के लिए एकीकृत सुरक्षा प्रणाली को लागू किया जा रहा है। पिछले दिनों रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेन के इंजन और गार्ड कोच के अगले और पिछले हिस्सों में भी कैमरे लगाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही रेलवे बोर्ड ने अपने सभी रेल मंडलों को पटरियों के आसपास पड़ी और उपयोग में न आने वाली सभी फालतू रेल सामग्री व अन्य सामान्य उपकरणों को तुरंत हटाने व उन्हें अन्यत्र व्यवस्थित करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि अब तो कृत्रिम बुद्धिमता अर्थात एआई का भी उपयोग होने लगा है, जिससे निगरानी तंत्र को काफी दक्षता हासिल हुई है। प्रत्येक व्यक्ति को भी संवेदनशील स्थानों पर एक प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करना होगा। रेल पटरियों के आसपास बसे अथवा उनसे जुड़े मार्गों से गुजरने वाले लोगों की भी रेल पटरियों की सुरक्षा में बड़ी भूमिका हो सकती है। देश के हर कोने में सुरक्षाकर्मियों की उपस्थिति संभव नहीं है, लेकिन यदि आम आदमी भी सुरक्षाकर्मियों का मददगार बन जाए तो काफी हद तक इस दिशा में चिंताएं कम हो सकती हैं।

देश की रेलें कहीं 55-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहीं हैं, तो कहीं 150 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से। अब तो हाईस्पीड ट्रेन भी पटरियों पर दौड़ने को तैयार है। रेलों और उनके परिचालन का तेजी से कायाकल्प हो रहा है। देश के हर राज्य में वंदे भारत ट्रेन दौड़ने वाली है। यह अच्छी बात है, लेकिन नीति नियंताओं को यह भी ध्यान में रखना होगा कि गति बढ़ाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक जरूरी और महत्वपूर्ण है, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा। सर्दी के साथ ही धुंध का सीजन भी शुरू होने वाला है, ऐसे में संवेदनशील जगहों की रेल पटरियों की दोनों ओर सेंसर और कैमरे लगाए जा सकते हैं, जिससे एक-दो किलोमीटर दूर तक के किसी भी खतरे की भनक रेल चालक को लग सके।

प्रत्यूष

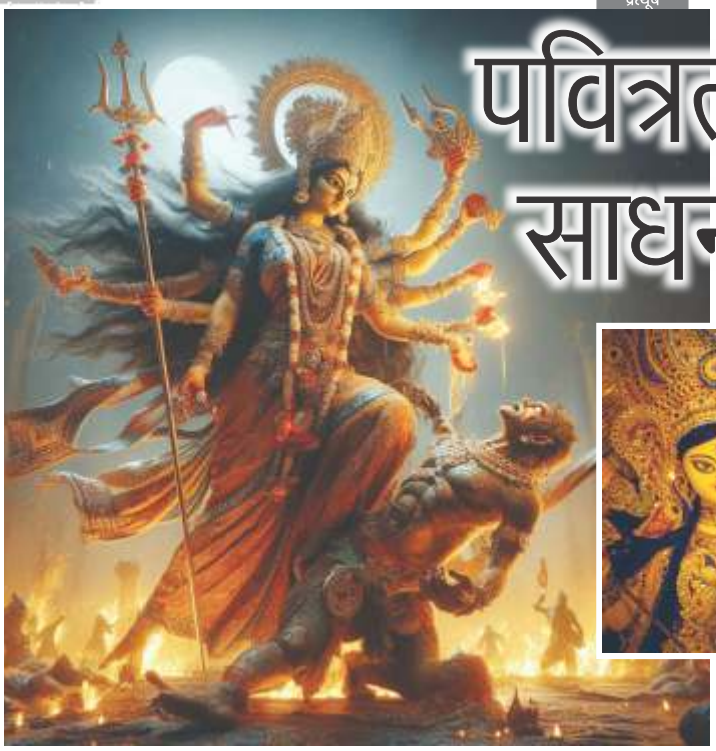

पवित्रता की परात में साधना की सौगात

प्रकृति नवग्रह पर ही आधारित है। इन नवग्रहों का सीधा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है। उग्ररूप धारण कर दुर्गा का महाकाली से चंडिका तक का शक्ति विस्तार 'शठं शाठ्यम समाचरेत' का प्रतीक है।

अजहर हाशमी

हमारे यहां जितने भी पर्व और व्रत रखे जाते हैं, उनके पीछे अध्यात्म के साथ वैज्ञानिकता भी है। नवरात्र का पर्व भी इसी वैज्ञानिक व्यवस्था का उन्मेष है, जो चैत्र मास शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के ठीक छह माह बाद पुनः अश्विन मास शुक्ल प्रतिपदा को आरंभ होता है। यह पूर्ण रूप से वैज्ञानिक गणना पर आधारित पर्व है। नवरात्र– इस योग से समाहार होता है और द्वंद्व समास होता है इसलिए इसका शुद्ध उच्चारण नवरात्र है। नवरात्र एक प्रकार का संधि पर्व है जो दो बदलते हुए मौसम के बीच आता है। जब हम शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु की ओर बढ़ते हैं तब एक नवरात्र पर्व आता है और जब हम वर्षा ऋतु से शीत ऋतु की तरफ बढ़ते हैं तब दूसरा नवरात्र पर्व आता है।

नवरात्र की प्रासंगिकता स्वयंसिद्ध है। क्या है नवरात्र? दुर्गा अर्थात् शक्ति के प्रवाह में भक्ति का निर्वाह है नवरात्र। अविश्वास के अंत और विश्वास के वसंत का नाम है नवदुर्गा। पवित्रता की परात में साधना की सौगात है नवरात्र। सच्चे भक्त की नवदुर्गा से सीधी बात है नवरात्र। मातृशक्ति नवदुर्गा के देवीकवच (दुर्गा सप्तशती) में नौ रूप बताए गए हैं- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघण्टा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। ये सब सौम्य स्वरूप हैं।

सौम्य स्वरूप वाली 'शांतिरूपेण संस्थिता' नवदुर्गा सकारात्मकता की संदेशवाहक है। शैलपुत्री रूप में विनम्रता, ब्रह्मचारिणी रूप में एकाग्रता, चन्द्रघण्टा रूप में शीतलता, कूष्मांडा रूप में मंद-मंद मुस्कान की मृदुता, स्कंदमाता रूप में वत्सलता, कात्यायनी रूप में निर्मलता, कालरत्रि रूप में कर्मशीलता, महागौरी रूप में उज्जवलता, सिद्धिदात्री रूप में भक्त के मनोरथ की सफलता का प्रतीक है। नवदुर्गा अपनी ऊर्जा के संदर्भ में युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी हैं और कर्म का संदेश भी। यही नवदुर्गा दुष्टों को दंडित करने के लिए शक्तियों का विस्तार करते हुए उग्र रूप में क्रमशः महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती (चामुण्डा), योगमाया, देवीरक्तदंतिका, शाकम्भरी, देवी दुर्गा, भ्रामरी और चंडिका हो जाती हैं। सौम्यस्वरूप मातृशक्ति नवदुर्गा का अपने भक्तों की रक्षा के लिए दुष्टों को दंडित करने हुतु उग्ररूप धारण करके महाकाली से चंडिका तक का यह शक्ति विस्तार 'शठं शाठ्यम समाचरेत' का प्रतीक है। इसकी शोधपरक व्याख्या संवैधानिक शब्दावली में इस तरह की जा सकती है कि नवदुर्गा अपने सौम्य स्वरूप में भक्तों की रक्षा के लिए विधि-निर्मात्री यानी विधायिका, शांतिरूपेण संस्थिता के रूप में 'कार्यपालिका' किन्तु दोषसिद्ध अपराधियों को दंडित करने के लिए 'सर्वोच्च न्यायपालिका' है। इस प्रकार नवदुर्गा महिला-सशक्तीकरण का प्रतीक हैं। इस दृष्टि से नवरात्र नारी में निहित शक्तियों को चिह्नित करने, चेतना को रेखांकित करने और प्रज्ञा को प्रतिष्ठापित करने का आध्यात्मिक अभियान है। मां सदैव संतान की हितकारिणी होती है। कोई उसकी संतान को अगर हानि पहुंचना चाहे तो वह संतान की रक्षा के लिए बड़े से बड़े खतरे का भी सामना कर लेगी। जैसे कि गाय अपने बछड़े की रक्षा के लिए शेर से भी भिड़ जाती है। मां दुर्गा का सौम्य स्वरूप जितना कोमल है, उनका भक्तों की रक्षा के लिए दैत्यों/असुरों/दुष्टों का विनाश करने वाला रूप उतना ही कठोर है। मां दुर्गा ने जब भी अपनी शक्तियों का विस्तार करके उग्र रूप में चण्ड-मुण्ड, शुंभ-निशुंभ, धूम्रलोचन अथवा अरुणोसुर का विनाश किया तो सिर्फ इसलिए कि इन असुरों के अत्याचार और अहंकार से सभी त्रस्त थे। इससे यही ध्वनि निकलती है कि नारी अपनी शक्ति को पहचान ले तो संगठित होकर अन्याय और आतंक का खात्मा कर सकती है। यही बात नवदुर्गा के शाकम्भरी रूप के संदर्भ में भी कही जा सकती है। कई वर्षों तक अकाल पड़ने पर देवी ने 'शाक से परिपूर्ण' रूप लिया ताकि भक्तों को शाक-सब्जी से भोजन भी मिल सके और उनकी प्यास भी बुझ सके। नवरात्र में कन्या-पूजन का बड़ा महत्व है। सच तो यह है कि छोटी बालिकाओं में देवी दुर्गा का रूप देखने के कारण श्रद्धालु उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। हमारे धर्मग्रन्थों में कन्या-पूजन को नवरात्र-व्रत का अनिवार्य अंग बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि दो से दस वर्ष तक की कन्या देवी के शक्ति स्वरूप की प्रतीक होती है।

|| श्री देवनारायण नमः || || श्री गणेशाय नमः || || श्री देवनारायण नमः ||

कन्हैयालाल गुर्जर, डायरेक्टर
Mo. 9414165338
9928845002
8764072939

सुरेश गुर्जर, डायरेक्टर
Mo. 8764072938
9929188856

देवनारायण केटर्स एवं बर्तन भण्डार

हमारे यहां पर शादी, पार्टी में खाना बनाने का ऑर्डर लिया जाता है एवं ऑर्डर से खाना बनाकर भी दिया जाता है व बर्तन, केटरिंग, टेंट, लाइट, बिस्तर सलाद डेकोरेशन, आईस कटिंग, स्टॉल्स आदि की सुविधा हर समय उपलब्ध है।

कालका माता रोड, आर.टी.ओ. रोड, पहाड़ा, उदयपुर (राज.)

कन्हैयालाल गुर्जर, डायरेक्टर
Mo. 9414165338
9928845002
8764072939

भैरव वाटिका

सुरेश गुर्जर, डायरेक्टर
Mo. 8764072938
9929188856

गार्डन, 36 रुम, हॉल, पार्किंग सहित वाटिका शादी, पार्टी व अन्य कार्यों के लिए उपलब्ध है

रामपुरा से उबेश्वर गोरेला रोड, सज्जनगढ़ के नीचे, उदयपुर (राज.)

धर्म और सत्य की उपासना के नौ दिन

नवरात्र के शक्ति उपासना के नौ दिन बाद मनाया जाने वाला विजय दशमी उत्सव मूलत: शक्ति और व्यक्ति के समन्वय का प्रमुख पर्व है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की प्रतीक मां जगदम्बा की उपासना के उपरांत शक्ति से सराबोर व्यक्ति विजय की कामना के साथ आगे बढ़ता है।

ज्ञानेन्द्र रावत

भारतीय संस्कृति वीरता पूजक और शौर्य की उपासक है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रुधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो, दशहरा या विजयादशमी उत्सव की यही भावना अहम् है। अश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय 'विजय मुहूर्त' होता है और यह काल सर्व सिद्धिदायक होता है, इसलिए इस दिवस को विजयादशमी कहते हैं। विजयादशमी के दिन ही श्री रामचन्द्र जी ने लंका विजय के लिए प्रस्थान किया था- 'अथ: विजयदशम्यामाश्विने शुक्लपक्षे दशमुखनिधनाय प्रस्थितों रामचन्द्र:।' अर्थात आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी को दशमुख रावण वध के लिए श्री रामचन्द्र जी ने प्रस्थान किया था। तदुपरांत रावण वध किया था। नवरात्र के शक्ति उपासना के नौ दिनों के उपरांत मनाया जाने वाला यह उत्सव मूलत: शक्ति और व्यक्ति के समन्वय का प्रमुख पर्व है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की प्रतीक मां जगदम्बा की उपासना के उपरांत व्यक्ति शक्ति से सराबोर होकर विजयश्री अर्थात सफलता का वरण करता है। दुखों के तीन मूल कारण हैं। एक है आसक्ति, दूसरा अभाव और तीसरा है अज्ञान। यह सर्वविदित है और कटु सत्य भी कि दुर्बल व्यक्ति पर दुष्टता से लेकर रोग, शोक, संताप आदि सभी विकार कहें या व्याधियों का हमला होता है। साधनों का अभाव हो तो दैन्य और दरिद्रता के कारण पग-पग पर बाधाएं आकर व्यक्ति को संकटों में घेर लेती हैं। फिर तीसरे कारण अज्ञान से उत्पन्न पीड़ा के बारे में सभी जानते हैं। यथार्थ में यह पर्व हमें दस प्रकार के पापों यथा- काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है। भारतीय इतिहास

भी ऐसे कथानकों से भरा पड़ा है, जब इस दिन हिन्दू राजाओं ने युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए रणभूमि के लिए प्रस्थान किया था। श्रवण नक्षत्र का योग रण भूमि में विजय के लिए अत्यधिक शुभ और फलदायी माना गया है। यह तो रही शक्ति, शौर्य और विजय की भावना या यूं कहें कि प्राचीन धार्मिक मान्यता की बात, जबकि कुल मिलाकर विजयादशमी या दशहरे का पर्व आपसी रिश्तों का मजबूत करने और भाईचारा बढ़ाने का पर्व भी है जो व्यक्ति के मन में घृणा एवं बैर को मिटाकर प्रेम, सदाचार, एक्यभाव को बढ़ाने के स्मरण का बोध कराता है। समूचे देश में अलग-अलग विधियों, रीति-रिवाजों यथा-कहीं शस्त्र पूजन तो कहीं ऋतु परिवर्तन के उपरांत किसान द्वारा फसल रूपी संपत्ति के घर लाने के सांस्कृतिक उत्सव के तौर पर, महाराष्ट्र में सिलंगण नामक सामाजिक महोत्सव और विद्या की देवी सरस्वती तथा उनके तांत्रिक प्रतीकों की पूजा के तौर पर, बस्तर में मां दंतेश्वरी की आराधना पर्व के तौर पर तो बंगला, ओडिसा, असम में दुर्गा पूजा के रूप में तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक में लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा के रूप में, गुजरात में गरबा के रूप में, कश्मीर में खीर-भवानी माता की आराधना दर्शन आदि के रूप में विभिन्न राज्यों में अनेकानेक तरीकों से यह पर्व मनाया जाता है। यह पर्व युद्ध में राम की रावण पर विजय का उत्सव है, जो समूचे देश में श्रद्धाऔर सम्मान के साथ धूमधाम से मनाया जाता है। यही नहीं यह विजय पर्व उतने ही जोश और उल्लास के साथ दूसरे देशों में भी मनाया जाता है जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं। विजय की भावना व्यक्ति और राष्ट्र को उल्लास और उमंग के वातावरण से सराबोर कर देती है। भारतीय मनीषियों ने जीवन की प्रक्रिया और उसकी विभिन्न दशाओं, अवस्थाओं पर गहन चिंतन-मनन के बाद निष्कर्ष प्रस्तुत किया कि मानव या प्राणी मात्र का संपूर्ण जीवन ही संग्राम का प्रतिरूप है। जीवधारी संसार में आते ही रण क्षेत्र में उतर जाता है, क्योंकि जीवन एक रण क्षेत्र है। जीवन में हरेक प्राणी को कदम-कदम पर अपने अस्तित्व की रक्षा करने, आगे बढ़ने की लालसा कहें, स्वाभाविक प्रकृति या होड़ कहें, यथार्थ में 'जीवन संग्राम' ही है। जीवन में मानव की विजय वास्तविक रूप में इस संघर्ष में किस रूप में होती है, इसी को समूचे चराचर जगत को बताने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।

कशिश क्लिनिक

KASHISH CLINIC

वैवाहिक जीवन में फिर से आ सकती है खुशियां

वैधराज एम राजपूत

B.A.M.S. रजि. नं. 27528

आयुर्वेदाचार्य यौन रोग चिकित्सक

www.kashishclinic.com

www.kashishclinic.online

दूरियाँ हैं ?तो मिटेंगी

जर्मन लीनियर शॉकवेव थेरेपी व आयुर्वेदिक दवाइयों द्वारा

बिना किसी साईड ईफेक्ट | दर्द | सर्जरी

पुरूषत्व में कमी | अंग की विकृति | यौन समस्याओं का उपचार

स्वप्नदोष, शुक्राणु की कमी, दिमागी दुर्बलता, धातु विकार, शीघ्रपतन

शराबी को बिना बताये शराब छुडाए

19, दूसरी मंजिल, सिटी स्टेशन रोड़, सूरजपोल, उदयपुर (राज.)

0294-2425522, +919460277 035

प्रेम और समर्पण का व्रत...

रेणु शर्मा

'करवा चौथ' का व्रत जहां एक ओर पति-पत्नी के हृदय में आपसी प्रेम, त्याग एवं समर्पण की भावना जागृत करता है, वहीं दूसरी ओर प्रणय-बंधन में दिनोंदिन नई ऊर्जा का समावेश करता है। अभी तक इस व्रत को केवल स्त्रियां ही निभाती रही हैं, लेकिन अब पति भी इस व्रत को करने लगे हैं।

करवा चौथ' का त्यौहार हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्यौहार है। यह हिन्दू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियों द्वारा सौभाग्य, सुख व संतान के लिए रखा जाता है। यह सम्पूर्ण भारत में हर्ष व उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन स्त्रियाँ पति की दीर्घ आयु के लिए निर्जला (बिना जल का) व्रत रखकर चन्द्र दर्शन के बाद ही जल ग्रहण करती हैं। मान्यता है कि अपने प्रिय पुत्र श्री गणेश को विशेष दर्जा दिलाने के लिए मां पार्वती ने शिव से प्रार्थना की थी। भगवान् शिव ने पार्वती जी की प्रार्थना स्वीकार कर श्री गणेश को गणों में सबसे पहले पूजा करने का वरदान दिया। तब से शुभ कार्य होने से पहले श्री गणेश का पूजन किया जाता है। इस दिन चतुर्थी ही थी।

पूजन सामग्री व उनका महत्व

करवा : मिट्टी के इस पात्र का करवा चौथ पर विशेष महत्व है। यह बनावट में अलग हो सकता है, लेकिन महत्व एक-सा है। करवा, पंचतत्व में विशेष तौर पर वायु-जल का विशेष सम्मिश्रण हैं। यह मन को नियंत्रित करने का भौतिक अनुक्रम बनता है।

पारदर्शी छिद्र पात्र : मान्यता है कि चंद्रमा की सीधी किरणें सौभाग्यवती स्त्री पर न पड़ें। अत: छलनी का उपयोग किया जाता है। सांसारिक दृष्टिकोण से भी वांग्मय परंपरा में सीधे किसी भी देवता का दर्शन नहीं बताया गया है। चंद्रमा का दर्शन करने से दोषमुक्त होने की मान्यता भी है।

सींक : शक्ति का प्रतीक : पूजा में उपयोग की जाने वाली सींक, शक्ति का प्रतीक है। मान्यता है कि मां करवा के पति को जब मगरमच्छ ने पकड़ लिया था, तब वह सात सींक लेकर यमराज के पास पहुंची थीं। उन्हीं सींक से उन्होंने यमराज के बही-खाते उड़ा दिए थे। इसके बाद यमराज ने मगरमच्छ को मारकर उनके पति को बचाया था।

प्रेम बढ़ने की मान्यता

कथा का संक्षिप्त सार यह है कि जब चंद्रमा विपरीत हो तो पति-पत्नी की विचारधारा में सामंजस्य नहीं हो पाता है चंद्रमा जब अनुकूल हो तो दोनों ही एक दूसरे की विचारधारा को समझने और सम्मान भी करने लगते हैं। अत: सीधे तौर पर यह समझा जा सकता है कि जब चंद्रमा अनुकूल होगा तो पति पत्नी के संबंध मधुर होंगे।

पूजन-विधि

करवा चौथ सुहागिन स्त्रियों का व्रत है। यह व्रत निर्जल है अर्थात पानी भी नहीं पिया जाता। चंद्रोदय के कुछ पूर्व एक पटरे पर कपड़ा बिछाकर अथवा बालू से वेदी बनाकर उस पर मिट्टी से शिवजी, पार्वतीजी, कार्तिकेयजी और चंद्रमा की छोटी-छोटी मूर्तियां बनाते हैं। आजकल इनकी जगह बाजार में करवा चौथ पूजन के छपे हुए पोस्टर भी आते हैं। फिर पटरे के पास पानी से भरा लोटा और करवा रखकर करवा चौथ की कहानी सुनी जाती है। कहानी सुनने से पूर्व करवे पर रोली से एक स्वस्तिक बनाकर उस पर रोली की 13 बिन्दियां लगाई जाती हैं। हाथ में गेहूं के 13 दानें लेकर कथा सुनी जाती है और चांद निकल आने पर उसे अर्घ्य देने के बाद स्त्रियां भोजन करती हैं। फिर एक कटोरे में चीनी और उस पर रूपये रखकर करवा चौथ का बायना निकालकर सास, ननद या जिठानी को दिया जाता है। जिस वर्ष लड़की की शादी होती है उस वर्ष उसके पीहर से चौदह चीनी के करवों, बर्तनों, कपड़ों और गेहूं के साथ बायना भी आता है।

विद्यालय तो गली-गली में है, पर बात तो परिणाम एवं संस्कारों की है।

NOBLE INTERNATIONAL SCHOOL

An English Medium School

2, Sagar Darshan, Rani Road, Udaipur (Raj.)

Contact : 0294-2980170, 94135-31043

मान्यवर अभिभावक जी, 'सादर वन्दे' मानव संतति भगवान की एक सबसे सुन्दर कृति एवं एक अमूल्य निधि है। इसका पालन पोषण, रक्षा एवं सुशिक्षा मनुष्य का परम पावन कर्त्तव्य होता है। आपके ऐसे शिशु जो चलने फिरने योग्य हो गये हैं जो 3 से 4 वर्ष के होने जा रहे हैं या विद्यालय तो जा रहे हैं पर जिनके शैक्षिक स्तर से आप संतुष्ट नहीं हैं। उन्हें नोबल इन्टरनेशनल स्कूल अपने वात्सल्यमयी वातावरण में सादर आमंत्रित करता है।

ADMISSION OPEN FOR PLAY GROUP TO XII FOR 2024-25

Sailent Features : ● No pressure of home work, complete work is done in school ● No Burden of heavy school bag. ● After and before the school child will be free from home work and home tution ● The school takes responsibility even up to his/her home for etiquettes and behavior ● Complete English Medium School English speaking is compulsory for stduents & teachers from class II on words ● Teacher students ratio is as ● Nur.- 1:12, K.G.-1:24, Prep to VII- 1:30 ● Free computer education ● Daily different competitions & Co-curricular activities.

कक्षा 10 एवं 12 का सतत् शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण परीक्षा परिणाम

Study through stress relief and playway method.
Small class size of 25 students only for better individual attention.
Class 6th onwards separate spoken English and personality development classes.
State Level representation in Games and Sports

उदयपुर के अन्य विद्यालयों में 3 से 5 वर्ष तक के शिशु को कक्षा नर्सरी से K.G. में जितना दो सत्रों में सिखाया जाता है, उतना नोबल स्कूल में एक सत्र में ही सिखाया जाता है।

Administrator

दीपक की एक लौ से जल सकते हैं कई दीप

दीपक अंधकार के विरुद्ध संघर्ष की मानवीय जिजीविषा का प्रमाण है। आंतरिक शक्ति और दृढ़ता की प्रतिमूर्ति दीपक मनुष्य का अद्भुत आविष्कार है। वह आत्मदान और अभय का प्रतीक है। दीपक दूसरों को प्रकाश देने में अपने अस्तित्व के मिट जाने की भी चिंता नहीं करता।

डॉ. संदीप गर्ग

दीपावली वस्तुत: पर्वों की लड़ी है। वत्स द्वादशी से प्रारंभ होकर दिवाली के दूसरे रोज तक इस त्योहार की धूम रहती है। वत्स द्वादशी के दिन माताएं पुत्र स्नेह के प्रतिरूप गाय एवं बछड़े की पूजा करती है। उसके अगले दिन धनतेरस को सोने-चांदी के गहने एवं स्टील के बर्तन आदि खरीदने का प्रचलन है। आयुर्वेद के विद्यार्थियों के लिए यह दिन अहम है क्योंकि इसी दिन धनवंतरि समुद्र-मंथन से प्राप्त अमृत घट लेकर प्रकट हुए थे। वस्तुत: यह अमृत घट मनुष्य के अनवरत अनुसंधान से प्राप्त औषध घट ही है, जो मृतप्राय: मनुष्य को जीवनदान देता है। इसके अगले दिन नरक चतुर्दर्शी है। भगवान कृष्ण ने इसी दिन आततायी असुर नरकासुर का वध कर सोलह हजार स्त्रियों को उसकी कैद से छुड़ाया। उनके यह कहने पर कि अब हमें कौन स्वीकारेगा कृष्ण ने उन सबका वरण कर उन्हें सामाजिक स्वीकृति दिलाई। दिवाली भगवती लक्ष्मी का आराधना पर्व है। उसके एक रोज बाद गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव है। कहते हैं इस दिन भगवान कृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर बृज को इंद्र के कोप से मुक्ति दिलाई। इसके आगे यम द्वितीया अर्थात भाई दूज भाई बहन के स्नेह एवं एक दूसरे की रक्षा के वचन का त्योहार है। इस दिन को कर्नाटक में बलिपदयामी अर्थात वामन द्वारा राजा बली पर विजय उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भागवत कथा के अनुसार महादानी बली जब दान के अहंकार से ग्रस्त हो गया तो विष्णु ने वामन अवतार लेकर उसका अहंकार ध्वस्त किया। उन्होंने वामन ब्राह्मण का रूप धरकर बली से मात्र तीन पग भूमि का दान मांगा। बली के वचन देने पर उन्होंने मात्र दो पग में संपूर्ण धरती एवं आसमान नाप लिया एवं उससे तीसरे पग का वचन पूरा करने को कहा। तब बलि ने तीसरे पग को अपने मस्तक पर धारण किया एवं विष्णु ने उसे पाताल का राज्य दिया। दिवाली इन मायनों में अहंकार पर विवेक एवं विनम्रता की विजय का भी उत्सव है। दीप मालिका का यह पर्व हमें सामाजिक विषमताओं-विद्रुपताओं से लड़ने और उन्हें समाप्त करने की प्रेरणा देता है। परिश्रम और संकल्प की रोशनी से ही बाधाओं के अंधेरे दूर होंगे। एक दीपक की लौ से कई दीप जल कर करोड़ों लोगों के जीवन में नवचेतना का उजाला भर सकते हैं। जरूरत है कर्म की बाती को परिश्रम के स्नेह से भिगोकर प्रकाशित करने की।

दिवाली भगवती लक्ष्मी की आराधना का पर्व है। इसके एक रोज बाद गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव है। इस दिन भगवान कृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर बृज को इंद्र के कोप से मुक्ति दिलाई। इसके आगे यम द्वितीया अर्थात भाई दूज भाई बहन के स्नेह एवं एक दूसरे की रक्षा के वचन का त्योहार है।

यम का यमी से मिलन

दीपावली पांच दिनों का त्योहार है। इसमें भाई-दूज या यम द्वितीया भी प्रमुख त्योहार है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी यानी धनतेरस से ही यम की शक्ति का पृथ्वीमंडल में आविर्भाव हाने लगता है और यह शक्ति यम द्वितीया को अपने चरम पर होती है। उल्लेखनीय है कि

पौराणिक कथाओं के अनुसार भी यम द्वितीया के दिन स्वयं यमराज इस पृथ्वी पर अपनी बहन यमी (यमुना) से मिलने आते हैं। यम को काल व धर्मराज भी कहा जाता है और वे मृत्यु व न्याय के देवता हैं। मृत्यु के बाद मनुष्यों को उनके कर्मों के अनुसार फल देने का दायित्व भी इन्हीं का है, इसलिए पृथ्वीमंडल में इनकी प्रत्यक्ष उपस्थिति के समय साधकों को अपने मानसिक, वाचिक व शारीरिक कर्मों के प्रति विशेष सावधान रहना चाहिए। यम ऊर्जाओं के वातावरण में व्याप्त होने के कारण इस समय किए गए अच्छे-बुरे कर्मों का फल कई गुना व त्वरित गति से प्राप्त हाता है। योग-साधकों द्वारा यमुना स्नान का अर्थ अपने को यम नियम में अच्छी तरह स्थित करके भी लिया जाता है। दूसरी ओर साधारण मनुष्यों के मन में भी कामादि विकार उत्पन्न न हो, इसलिए उन्हें इस दिन अपनी बहन के घर जाने और वहां भोजन करने का विधान बनाया गया है। यम द्वितीया के दिन भाई-दूज का त्योहार इसी आध्यात्मिक उद्देश्य की पूर्ति व जन कल्याण हेतु सामाजिक प्रावधान है। इसी दिन भाइयों को यमुना स्नान करने का भी विधान है। यमुना भगवान श्री कृष्ण की आठ प्रमुख रानियों में से एक हैं और श्री कृष्ण से उनके इस सामीप्य से यमुना को मनुष्यों को कर्म बंधन से मुक्त करने की शक्ति प्राप्त है। भाई-दूज के दिन जब साधक पुरुष (भाई) का पूजन एक पूज्या स्त्री (बहन) द्वारा किया जाता है तो दोनों के मन में प्रेम व पवित्रता का संचार होता है, जो पूरे समाज के मन पर पड़ता है। इस त्योहार का वास्तविक उद्देश्य भी यही है।

भगवान महावीर निर्वाणोत्सव

दीपावली लौकिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार का पर्व है। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन की परम्परा भारतीय संस्कृति में है। दीपावली से अनेक महापुरुषों के जीवन की घटनाएं भी जुड़ी हुई है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के वनवास से पुन: अयोध्या में प्रवेश की घटना से जुड़ा है। उसी प्रकार दीपावली भगवान महावीर के निर्वाण से जुड़ी घटना भी है। भगवान महावीर ने 30 वर्ष की उम्र में सन्यास ग्रहण किया। साढ़े बारह वर्ष तक एकांत मौन, ध्यान, कार्योत्सर्ग की साधना कर पूर्ण ज्ञान, सर्वज्ञ, सर्वदर्शी, केवल ज्ञानी बन गए। उन्हें आंतरिक समृद्धि का अहसास हो गया। पूर्ण ज्ञान होने के पश्चात उन्होंने 30 वर्ष तक जन-जन को आत्मज्ञान प्रदान किया। भगवान ने सबको सत्य का शोध करवाया, सत्य पर श्रद्धा व सत्य आचरण का मार्ग दिखाया। जीवन और अजीव तत्व का बोध करवाया। नवतत्व, जीव, अजीव, पुण्य, पाप, आस्रव, संवर, निर्जरा, बंध, मोक्ष का मार्ग दिखाया और 72 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर तीन दिन तक लगातार उपदेश देते हुए दीपावली की अर्द्धरात्रि में निर्वाण को प्राप्त हुए अर्थात सिद्ध-बुद्ध मुक्त हो गए। जैन दर्शन में दीपावली को निर्वाण उत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रतिवर्ष, अधिकांश जैन भाई-बहन, तीन दिन के उपवास के साथ स्वाध्याय व ध्यान में लीन रहकर इस पर्व को मनाते हैं।

खास मंत्र

दीपावली की रात्रि को पूर्व दिशा की ओर मुख करके निम्नलिखित मंत्र की सात माला का जप करें। उसके पश्चात एक माला नित्य जप करें। इस प्रयोग से दरिद्रता का नाश होता है।

ऊं क्रीं कालिके दरिद्रता विनाशिन्ये हुं फट्।

यदि बहुत अधिक ऋण में फंसने के कारण आप परेशान हैं, तो दीपावली को लक्ष्मी पूजन के बाद यह मंत्र जपें-

ऊं पद्मावती पद्मनेत्रे पद्मासने लक्ष्मीदायिनी वांछा भूत-प्रेत निग्रहणी सर्वशत्रु संहारिणी दुर्जन मोहिनी ऋद्धि वृद्धि कुरु-कुरु स्वाहा। ऊं ह्रीं श्रीं पद्मावत्यै नमः।

व्यवसाय स्थल पर इस मंत्र की एक माला का जप करें।

ऊं ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं क्लीं श्रीं लक्ष्मी मम गृहे धनपूरये चिंता दूरये दूरये स्वाहा।

यदि आप अपनी आर्थिक स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं और धन की कमी के कारण भौतिक सुखों को प्राप्त करने में असमर्थ हैं, तो दीपावली के दिन रात्रि को स्नानादि से निवृत्त होकर पीले वस्त्र धारण करके पीले रंग के आसन पर बैठकर इस मंत्र की 11 मालाओं का जप करें।

ऊं दारिद्रय विनाशिनी अष्टलक्ष्मी कनकावती सिद्धिं देहि नमः।

यदि आप अपने जीवन में यह महसूस करते हैं कि आपके पास धन स्थिर नहीं रहता एवं आर्थिक स्थिति भी डांवाडोल रहती है, तो दीपावली के दिन से प्रारंभ करते हुए निम्नलिखित मंत्र को दस हजार की संख्या में जपने से यह सिद्ध हो जाता है।

ऊं ऐं क्लीं सौं ऐं ह्री श्री ऊं नमो भगवती मातंगीश्वरी सर्वजनमनोहारिणी सर्वराज वशंकरी सर्वमुख रंजनि सर्व पुरुषवशंकरी सर्वदुष्टमृगवशंकरी ह्री श्रीं क्लीं ऐं ऊं।।

धन-धान्य समृद्धि के लिए कुबेर साधना श्रेष्ठ है। दीपावली पर महालक्ष्मी एवं कुबेर का पूजन करने के पचात इस मंत्र की 11 मालाओं का जप करें। यह प्रयोग निरंतर तीन दिवस तक करें।

ऊं यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये धनधान्य समृद्धि में देही दापय स्वाहा।।

अवनीश पांडेय

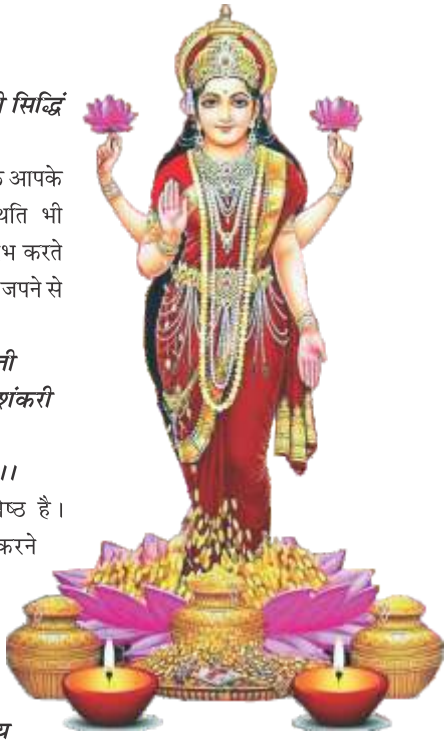

आयुर्वेद के जनक : धन्वन्तरि

डॉ. शोभालाल औदिच्य

जब देवगणों से महर्षि दुर्वासा को कटुवचन कहने का अपराध हुआ, तब न केवल देवता अपितु तीनों लोक श्रीहीन हो गए। सर्वत्र आसुरी शक्तियां उत्पात मचाने लगी थीं। इससे दु:खी सभी देवता, ब्रह्माजी को साथ लेकर भगवान श्री विष्णु की शरण में पहुंचे। श्री विष्णु ने उन्हें समुद्र मंथन का परामर्श दिया और कहा कि इस मंथन से अमृत कलश के साथ मैं स्वयं धन्वन्तरि के नाम से प्रकट होकर आपकी समस्या का निवारण करुंगा। धन तेरस पर इनकी विशेष पूजा कर आरोग्य का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

आदिदेव धन्वन्तरि अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञाता थे। समुद्र मंथन के समय 12वें रत्न के रूप में उत्पन्न हुए थे। ये विष्णु के अवतार, यज्ञ अंश के अधिकारी, आयुर्वेद प्रवर्तक, अमृतकलशधारी एवं देवताओं को जरा एवं व्याधि से मुक्त करने वाले हैं-

जब देवगणों से महर्षि दुर्वासा का अपराध बन पड़ा था और इसके परिणामत: न केवल देवता अपितु त्रिलोकी श्रीहीन हो गया था। सर्वत्र आसुरी साम्राज्य स्थापित हो चुका था। देवता, ब्रह्मा को साथ लेकर भगवान नारायण की शरण में पहुंचे। नारायण ने उन्हें असुरों को साथ लेकर समुद्र मंथन का परामर्श दिया और बताया कि इस मंथन से अमृत का कलश लेकर स्वयं मैं धन्वन्तरि नाम से प्रकट होउंगा और फिर उस अमृत के बल पर आप लोग सदा के लिए अमर हो जाएंगे।

देवताओं के समझाने पर अज्ञानी असुर भी अमृत के लोभ से समुद्र मंथन के लिए राजी हो गए। बिना नारायण के सहयोग के समुद्र मंथन हो भी कैसे सकता था? अत: स्वयं नारायण ने कूर्म रूप धारण कर मंदराचल पर्वत को नीचे से पकड़ रखा था और दूसरे रूप से वे ऊपर से उसे दबाए हुए भी थे, साथ ही वे देवता-असुर का रूप बनाकर दोनों दलों में पहुंचकर समुद्र मथने लगे। नारायण का सम्बल पाकर समुद्र से चौदह रत्नों का प्रादुर्भाव हुआ, जिनमें धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए।

वेदव्यास श्रीमद् भागवत में बताते हैं कि उस समय समुद्र के मध्य से जो दिव्य पुरुष प्रकट हुए वे बड़े ही सुंदर और मनोज्ञ थे। उन्होंने शरीर पर पीताम्बर धारण कर रखा था। दिव्य अलंकरणों से अलंकृत थे। कानों में मणियों के दिव्यकुण्डल थे। तरूण अवस्था थी तथा सौंदर्य अनुपम था। शरीर का रंग सुंदर और सांवला था। चिकने और घुंघराले बाल लहराती उनकी छवि बड़ी अनोखी थी। उन्होंने अमृत से पूर्ण कलश धारण कर रखा था।

आयुर्वेद में प्राय: पुराणों की तरह ही नौ महारत्न माने गए हैं-

माणिक्यमुक्ताफलविद्रुमाणि
तार्क्ष्यंच पुष्पं खिादुरंच नीलम।
गोमेदकंञ्चाथ विदूरकंच क्रमेण
रत्नानि नवग्रहाणाम।

अर्थात माणिक्य, मुक्ता, प्रवाल, पन्ना, पुखराज, हीरा, नीलम, गोमेद एवं वैदर्य यह नवरत्न हैं। इसके साथ ही रत्नों से कुछ न्यून गुणों वाले उपरत्न सूर्यकांत, चन्द्रकांत, वैक्रांत, राजावर्त, पैरोजक, स्फटिक इत्यादि कहे गए हैं। मानव स्वास्थ्य अक्षुण्ण रहे, उसका सतत बृहण होता रहे, यह प्रयास आयुर्वेद में आदिकाल से होता रहा है। आयुर्वेद में सृष्टि के समस्त द्रव्यों के उचित संस्कार के पश्चात उचित मात्रा में स्वास्थ्य रक्षा एवं रोग निवारण के लिए व्यवहार में लाने का कार्य अतीव वैज्ञानिक ढंग से किया गया है।

रत्न चूकि दुर्लभ, आकर्षक होते हैं, के गुणों का वैज्ञानिक विवेचन कर आयुर्वेद में शरीर के तीन दोषों, सात धातुओं एवं मलों पर प्रभाव का अध्ययन कर इनका विभिन्न कल्पनाओं के प्रयोग, रसायन कर्म एवं रोग दूर करने के लिए उपयोग किया जाता है। प्रत्येक रत्न के औषधीय गुणधर्म का रोग पर प्रभाव देखते हुए उपयोग करना तत्कालीन समय का अतिमहत्वपूर्ण आविष्कार था।

नरकासुर वध

रूप चौदस का दिन सौन्दर्य को निखारने का दिन है। भगवान की भक्ति व पूजा के साथ खुद के शरीर की देखभाल का यह दिन है। यह स्वास्थ्य के साथ सुंदरता का संदेश देता है। रूप चौदस पर व्रत रखने का भी अपना महत्व है। मान्यता है कि रूप चौदस पर व्रत रखने से भगवान श्रीकृष्ण सौंदर्य प्रदान करते हैं। रूप चतुर्दशी के

दिन सूर्योदय से पहले उठकर तिल के तेल की मालिश के बाद पानी में चिरचिरी के पत्ते डालकर नहाना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु और भगवान कृष्ण के दर्शन करने चाहिए।

ऐसा करने से पापों का नाश होता है और सौंदर्य हासिल होता है।

दक्षिण भारत में इस दिन लोग सूर्योदय से पहले उठकर तेल और कुमकुम को मिलाकर रक्त का रूप देते हैं। फिर एक कड़वा फल तोड़ा जाता है, जो नरकासुर के सिर को तोड़े जाने का प्रतीक है। फल तोड़कर कुमकुम वाला तेल मस्तक पर लगाया जाता है। फिर तेल और चंदन पाउडर आदि मिलाकर इससे स्नान किया जाता है।

प्रचलित कथा के अनुसार प्राचीन काल में नरकासुर राक्षस ने अपनी शक्तियों से देवता और साधु-संतों को परेशान करने के साथ ही देवता और संतों की 16 हजार स्त्रियों को बंधक बना लिया। नरकासुर के अत्याचारों से परेशान देवता और साधु-संत भगवान श्रीकृष्ण की शरण में गए। नरकासुर को स्त्री के हाथों से मरने का श्राप था, इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की मदद से कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध किया और उसकी कैद से 16 हजार स्त्रियों को आजाद कराया। बाद में ये सभी भगवान श्री कृष्ण की 16 हजार पटरानियों के तौर पर जानी गई।

गायत्री पटेल

Surendra Jain
Director
Mob. 94141-69070

With Best Compliments

Gaurav Jain
Director
Mob. 95296 53123

WONDER TILES & CERAMICS

DISTRIBUTORS & DEALERS

Digital Tiles, Multi Charged Vitrified Tiles,
Sanitary Wares, Bath Fittings, Water Heater,
Parking Tiles, S.S. Sinks, Adhesives, Grouts, Epoxy
All Kinds of PVC Pipes & Fittings

DURACON Multi Charged Tiles · NIRALI · Parryware · LAVISH GRANITO · LATICRETE MYK LATICRETE · Sintex
RACY · CAPRON · ARK · DELL CERAMIC · RAKSHA

28, Sarva Ritu Vilas Marg, Near Gulab Bagh, Udaipur 313001 (Raj.)
E-mail: wondertnc@gmail.com

धड़कने को तैयार 'कृत्रिम दिल'

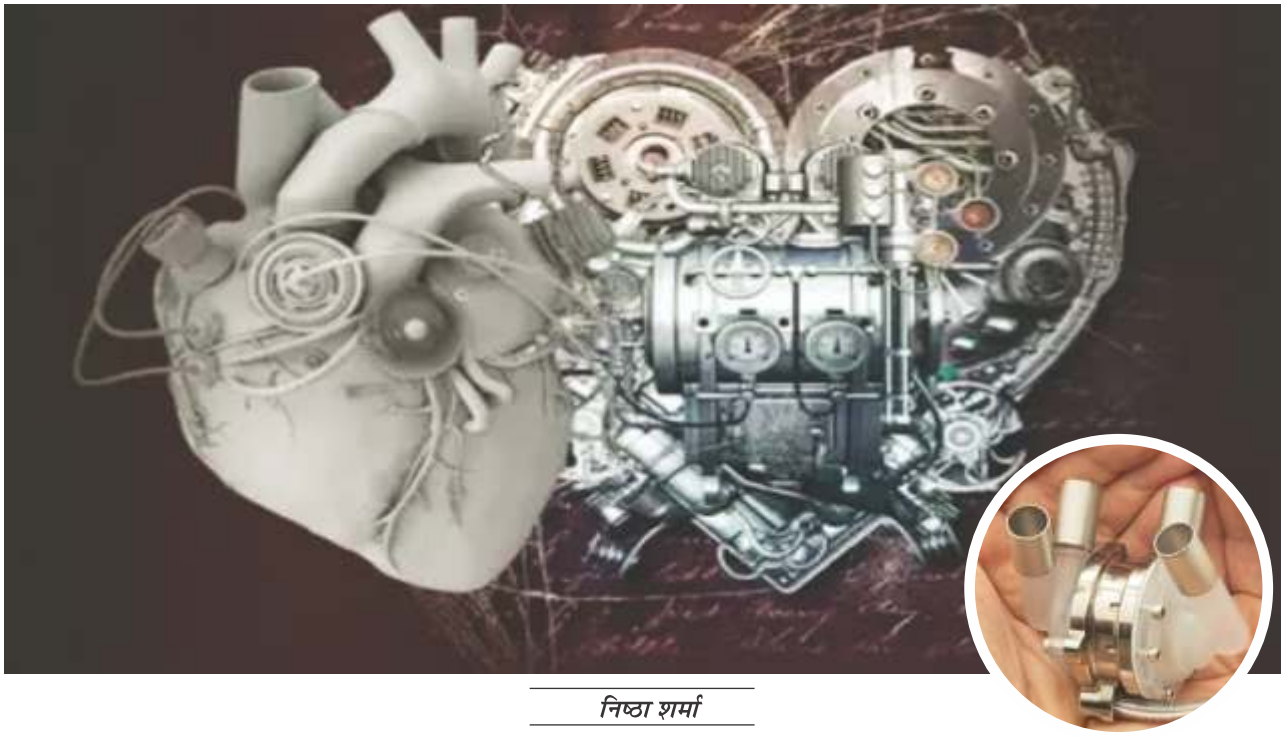

निष्ठा शर्मा

आईआईटी कानपुर द्वारा निर्मित 'कृत्रिम हृदय' आवश्यक प्रयोग सफल रहने के बाद अब इसके आगे के प्रयोग में जुटा है। इसकी मंजूरी मिलना न केवल महत्वपूर्ण बल्कि देश के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब इस कृत्रिम हृदय का प्रयोग एक बकरी में किया जाने वाला है। इसे 'हृदतंत्र' नाम दिया गया है, शेष प्रयोगों के पूरी तरह सफल होने के बाद वह ऐसे मरीजों के काम आ सकता है, जिन्हें हृदय प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा है। हृदतंत्र उन्हें नया जीवन ही नहीं देगा अपितु हृदय प्रत्यारोपण पर खर्च भी दस गुना घट जाएगा। आईआईटी की लैब में टाइटेनियम धातु से विकसित होने वाला यह कृत्रिम दिल उन लोगों के काम आएगा जिनका दिल ठीक से खून को पम्प नहीं कर पाता। अगले दो वर्ष में इसके सभी प्रयोग पूरे हो जाएंगे। हमारे लिए यह भी गौरव की बात है कि शरीर अभियांत्रिकी पर अपने ही देश के कॉलेज में होनहार इंजीनियरिंग काम कर रहे हैं। इसके लिए आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भारत में प्रतिवर्ष करीब एक करोड़ लोगों को हृदय की वजह से लाचार होना पड़ता है। वैसे कृत्रिम हृदय के साथ यह कोई पहला प्रयोग नहीं है। वर्ष 1938 में प्रथम कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण एक श्वान में किया गया था। इसके बाद 1952 में एक यांत्रिक हृदय बनाया गया था, सर्जरी की स्थिति में आंशिक रूप से कुछ समय के लिए काम करता था। दरअसल आवश्यकता एक चालू यांत्रिक हृदय की बजाय एक जीवंत कृत्रिम हृदय की है, जो स्थाई रूप से शरीर के अंदर स्थापित होकर शेष अंगों के साथ समन्वय बिठाकर धड़कता रहे। देश के विख्यात हृदय रोग चिकित्सक देवी शेट्टी ने आईआईटी, कानपुर को इस प्रयोग और निर्माण के लिए प्रेरित किया, जिसमें अभियंताओं का भी बड़ा योगदान रहा। बकरी में हृदतंत्र के प्रत्यारोपण और उसके परिणामों के विश्लेषण के बाद ही यह तय हो सकेगा कि क्या अब मानव हृदय का किसी मानव में प्रत्यारोपण भी संभव है? हालांकि प्राकृतिक हृदय की उपलब्धता एक बड़ी कमी है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। अभी रक्तदान की स्थिति ही पर्याप्त नहीं है, तब हृदय दान का माहौल भला किस प्रकार बनाया जा सकता है? अत: सबसे बेहतर विकल्प यही हैं कि एक पुख्ता और कारगर कृत्रिम हृदय का निर्माण जल्दी से जल्दी हो ताकि करोड़ों लोगों को नवजीवन मिल सके।

चार्ज करना होगा

इंसानी दिल को शरीर के अंदर लोकल इलेक्ट्रिकल फील्ड से ऊर्जा मिलती है, लेकिन 'हृदतंत्र' को बाहर से चार्ज कर ऊर्जा दी जाएगी। मशीन को ऐसे डिजाइन किया जा रहा है कि मोटर का रोटर से सम्पर्क नहीं होगा। इससे कम आवाज और गर्मी पैदा होगी। ऐसा होगा तो ऊर्जा की मांग भी घटेगी। हृदतंत्र को शरीर में फीट करने के बाद दिल के पास एक तार बाहर निकलेगा। इस कृत्रिम हृदय का आकार एक पाइप की तरह होगा। जिसे दिल के एक हिस्से से दूसरे हिस्से के बीच जोड़ा जाएगा। जो खून को स्वत: पम्पिंग कर धमनियों के सहारे पूरे शरीर में पहुंचाएगा। हालांकि जिनके शरीर में यह लगेगा, उन्हें नहाते या कोई कार्य करते समय चार्जिंग वायर का ख्याल रखना होगा। उसमें खींचतान की तो गुजांइश होगी ही नहीं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महके और महकाएं

CHITTORA AGARBATTI INDUSTRIES CAI UDAIPUR

राजेश चित्तौड़ा
9414160914

CHITTORA
AGARBATTI INDUSTRIES

Mfg. : Handmade Agarbatti 'N' Perfumers
Glass Bottles etc.

1,2 Central Jail Colony Nr. Central Jail, Tekri Road Udaipur (Raj.)
Email : rajeshchittora27@gmail.com

मानवीय मूल्यों के पैरोकार : आचार्य तुलसी

विष्णु शर्मा हितैषी

सम्प्रदाय से अधिक महत्व मानवता को देने वाले थे आचार्य तुलसी। उन्होंने मानवीय मूल्यों के पोषण के लिए जैन विश्व भारती की स्थापना की, जो शिक्षा के क्षेत्र में उनका बहुत बड़ा अवदान है। वे अपने परिचय में कहते थे – मैं सबसे पहले मानव हूं, उसके बाद धार्मिक हूं, उसके बाद जैन और उसके बाद तेरापंथ का आचार्य।

भारत भूमि युग पुरुषों की भूमि है। यहां प्रत्येक कालखंड में किसी न किसी ऐसे सनातन व्यक्तित्व ने जन्म लिया, जिसके बोध पाठ ने उस युग को संवारा, अपनी शाश्वत उपस्थिति से समग्र मानवता का मार्गदर्शन किया और उनका अवबोध समग्र मानव जाति के लिए सनातन मार्गदर्शन बनाया गया। ऐसे ही एक युग पुरुष थे आचार्य श्री तुलसी।

आचार्य श्री तुलसी का जन्म 20 अक्टूबर 1914 को लाडनूं (राजस्थान) में हुआ। मन में बचपन से ही सत्संगी भाव था। लाडनूं आए तेरापंथ सम्प्रदाय के अष्टमाचार्य कालूगणी जी के प्रवचन तथा व्यक्तित्व ने तुलसी के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने ग्यारह वर्ष की अल्पायु में 5 दिसम्बर 1925 को दीक्षा ली। नैतिक क्रांति, मानसिक शांति और व्यक्तित्व निर्माण की पृष्ठभूमि पर आचार्य तुलसी ने तीन अभियान चलाए- अणुव्रत आंदोलन, प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान।

उन्होंने अपने गुरुदेव के श्री चरणों में बैठकर शिक्षा एवं साधना की दृष्टि से अपने जीवन को बहुमुखी आयाम दिया। हिंदी, संस्कृत, प्राकृत भाषाओं, व्याकरण, साहित्य, दर्शन एवं जैनागमों का गहन अध्ययन किया। लगभग 20 हजार श्लोक कंठस्थ कर उन्होंने अपनी प्रखर प्रतिभा का परिचय दिया। इनकी इसी प्रखरता, बहुश्रुतता, सहनशीलता, गंभीरता, धीरता, प्रमत्ता, अनुशासन, निष्ठा आदि गुणों से प्रभावित होकर आचार्य श्री कालूगणी जी ने उन्हें गंगापुर (राजस्थान) में 20 अगस्त 1936 को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। युवाचार्य (उत्तराधिकारी) पद पर मनोनयन की घोषणा के मात्र 6 दिन बाद ही उनके युवा कंधों पर इस विशाल धर्मसंघ के 9वें आचार्य पद को ग्रहण करने का अनायास अवसर उपस्थित हो गया। उस समय तेरापंथ संघ में 139 साधु व 333 साध्वियां थीं। उन्होंने

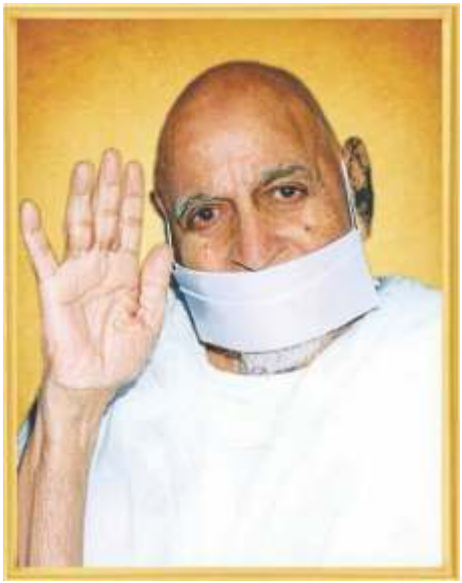

न केवल धर्मसंघ को संभाला बल्कि उसके माध्यम से अणुव्रत नाम से एक नैतिक आंदोलन की शुरुआत भी की। अणुव्रत यानी छोटा संकल्प। ये वे संकल्प थे, जिनसे मानवता उद्देश्यपरक मूल्यों से मुखर हो उठी। इनके माध्यम से उन्होंने सम्प्रदाय से अधिक मानवता को महत्व दिया। अपने जीवनकाल में करीब एक लाख से अधिक किलोमीटर की पदयात्रा कर उन्होंने मानव मूल्यों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण का काम किया। धर्मसंघ में शामिल साधु-साध्वियों ने देश के विभिन्न भागों में विहार कर उनके इस आंदोलन को बल दिया।

नतीजतन बड़ी तादाद में लोग जुड़ते गए और कारवां बनता गया। आचार्य तुलसी के अनुशास्ता रहते अणुव्रत आंदोलन ने 54 वर्ष में दो पीढ़ियों का मार्गदर्शन किया। लाखों परिवार इससे लाभान्वित व सुखी हुए। उनके बाद उनके उत्तरवर्ती आचार्य श्री महाप्रज्ञ और उनके बाद आचार्य श्री महाश्रमण के मार्गदर्शन में यह आंदोलन निरंतर आगे बढ़ता हुआ समतामूलक समाज की रचना में योगदान दे रहा है। लेखक को भी आगम पुरुष आचार्य श्री तुलसी जी से एकाधिक बार तारक गुरु ग्रंथालय व अन्यत्र प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मिलने, सुनने और आशीर्वाद प्राप्ति का सौभाग्य मिला।

भाषा व भाष्य में अत्यंत शुद्ध, वाणी से दृढ़ किंतु अत्यंत सहज, सरल, कलात्मक व विशेषणात्मक प्रस्तुति आचार्य तुलसी की अपनी ही शैली थी। आवश्यकता से भी कम कहना किंतु अपनी भाव भंगिमा से अनपढ़ व नासमझ को भी समझा देने की मितभाषी आचार्य श्री तुलसी में विलक्षण प्रतिभा थी।

साम्प्रदायिक सद्भाव की दिशा में वे सतत प्रयत्नशील रहे। यद्यपि वे एक सम्प्रदाय के आचार्य थे, पर साम्प्रदायिकता उनके विचारों पर कभी हावी नहीं हुई। आचार्य श्री अपने परिचय में कहते थे- मैं सबसे पहले मानव हूं, उसके बाद धार्मिक हूं, उसके बाद जैन हूं और उसके बाद तेरापंथ का आचार्य हूं। इन्हीं क्रांतिकारी विचारों का परिणाम कहा जा सकता है कि जो तेरापंथ एक संघीय सीमा में आबद्ध था, वह न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर सका। लाडनूं में परमार्थिक शिक्षण संस्था, जैन विश्वभारती एवं जैन विश्वभारती संस्थान विश्वविद्यालय की आध्यात्मिक प्रवृत्तियों का विकास आचार्य श्री तुलसी युग की विशिष्ट उपलब्धि है। ये तीनों संस्थान आज भी विद्वानों, शिक्षाविदों, दार्शनिकों एवं योग साधकों की जिज्ञासा के केन्द्र हैं। गंगाशहर (राजस्थान) में 23 जून 1997 को प्रवचन के दौरान अनायास इस सूर्य को काल के सघन मेघों ने अपनी आगोश से आच्छन्न कर दिया। वे आज हमारे बीच नहीं, लेकिन उनका मार्गदर्शन आज पहले से भी अधिक प्रासंगिक है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम समग्र मानवता के कल्याण की दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं।

Happy Navratri

Universal
Power Industries

Engineers & Manufacturer :

✦ Monoblock Pump ✦ Power Fector Correction ✦ AMF Panel ✦ Synchronizing of DG ✦ Switch Gear LT/HT ✦ Power Control Panel ✦ Motor Control Panel ✦ Stone Process Machine Panel ✦ Automation Panel ✦ Automatic Power Fector Panel

1, SPL. Com, Industrial Estate, Pratap Nagar, Udaipur-313 001
Ph. : 0294-2490230 (W) 2490373 (R)

Telemecanique
Square D
Merlin Gerin

Authorised Service Contractors
Schneider Electric India Pvt. Ltd.

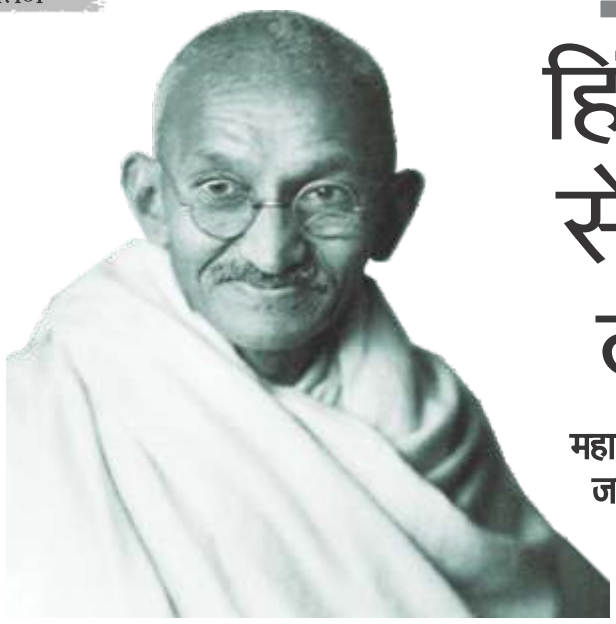

हिंसा और आतंक से मुक्ति में गांधी दर्शन मददगार

महात्मा गांधी के विचार विश्व को शांति और अहिंसा की ओर ले जाने वाले हैं। वर्तमान परिस्थितियों में जब विश्व के अनेक क्षेत्रों में अशांति, आतंक और हिंसा का प्रभाव बढ़ रहा है, ऐसे में महात्मा गांधी का चिंतन हमारा मार्ग दर्शन करने वाला है।

नारायण सिंह देवल

महात्मा गांधी के चिंतन की शैली विशिष्ट थी। उनके चिंतन में भारत और भारतीयता का समावेश था। साथ ही नागरिकों में समानता और समता का भाव भी उनके विचारों से प्रकट होता रहा है। स्वराज को लेकर गांधीजी ने विस्तार से अपने विचार विश्व के समक्ष रखे। उनके विचार वर्तमान दौर में भी प्रासंगिक हैं। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर सरकारें जन कल्याण के कार्य भी कर रही हैं। केन्द्र सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है, उनके पीछे महात्मा गांधी का दर्शन भी स्पष्ट रूप से नजर आता है। महात्मा गांधी के स्वराज की अवधारणा वास्तव में बहुत व्यापक है। उनके लिए स्वराज का तात्पर्य केवल अंग्रेजी हुकूमत से स्वतंत्रता प्राप्त करना ही नहीं था, अपितु सांस्कृतिक एवं नैतिक मजबूती भी उनके विचारों में समाहित थी। सब जानते हैं कि भारत पर लंबे समय तक विदेशियों ने आक्रमण किए। अंग्रेजों के आने से पहले भी देश पर अनेक आक्रमण होते रहे। निरंतर हो रहे इन बाह्य आक्रमणों से देश जूझता रहा, किंतु सांस्कृतिक रूप से वह मजबूत बना रहा। भारत की सांस्कृतिक मजबूती के पीछे यहां की मिट्टी से जुड़े संस्कार थे। महात्मा गांधी भी उन संस्कारों से भली भांति परिचित थे। देश का दुर्भाग्य रहा कि आजादी के पश्चात सरकारों ने सांस्कृतिक स्वाधीनता की ओर कम ध्यान दिया। मानसिक एवं वैचारिक गुलामी ने देश के नागरिकों को जकड़े रखा। हमारे महापुरुषों एवं मान बिंदुओं के प्रति सम्मान का भाव नई पीढ़ी में किस प्रकार बढ़े, इस विषय की सरकारें लगातार अनदेखी करती रहीं। वर्तमान केंद्र सरकार इस विषय पर भी गंभीर है। महात्मा गांधी के चिंतन को व्यावहारिक रूप देने के लिए भी यह सरकार प्रतिबद्ध नजर आती है। अस्पृश्यता को खत्म करने को लेकर महात्मा गांधी का आग्रह पूरे विश्व ने देखा है। इसी प्रकार दरिद्र नारायण की सेवा, पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति भी महात्मा गांधी का झुकाव रहा। महात्मा गांधी के राजनीतिक विचार में भी यह बात स्पष्ट रूप से रेखांकित होती है कि दरिद्र नारायण की सार-संभाल आवश्यक है। सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को मिले। दरिद्र नारायण को ही लक्ष्मी नारायण मानकर उसकी सेवा की जाए, यह वर्तमान समय की भी आवश्यकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार निरंतर ऐसी योजनाओं पर कार्य कर रही है, जो देश के लाखों करोड़ों लोगों की आंखों के आंसू पोंछने का काम कर सकती है। उज्जवला योजना इसका प्रतिनिधित्व कर सकती है। धर्म और राजनीति पर भी महात्मा गांधी ने समय-समय पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। जो लोग धर्म को राजनीति से अलग रखने की बात करते हैं, उनके संदर्भ में वे कहते थे कि ऐसे लोगों को धर्म का असली अर्थ ही पता नहीं है। उन्होंने राजनीति में जीवन मूल्यों और सिद्धांतों की वकालत की है। वे कहते थे कि सिद्धांतहीन राजनीति फांसी के फंदे के समान है। स्पष्ट है कि गांधीजी राजनीति के माध्यम से भी जीवन मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन का विचार रखते थे। वर्तमान दौर में केवल भारत ही नहीं, अपितु पूरे विश्व को यह समझना पड़ेगा कि महामानव महात्मा गांधी के विचार विश्व को अहिंसा और शांति की ओर ले जाने वाले है। वर्तमान परिस्थितियों में जब विश्व के अनेक क्षेत्रों में हिंसा और आतंक का प्रभाव बढ़ने लगा हैं, इन परिस्थितियों में महात्मा गांधी के विचार आशा की किरण के रूप में देश के सुनहरे भविष्य का ताना-बाना बुनने में मददगार साबित हो सकते हैं।

(लेखक राजस्थान विधानसभा के पूर्व सदस्य हैं)

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

94141-60671 (Sirumal)
94141-57343 (Dilip)
94141-62036 (Lakhmichand)
99503-00412 (Lakhmichand)

POPULAR
ब्राण्ड

दलिया, बेसन, बाटी–आटा के निर्माता

MP का आदित्य आटा
एवं
पापुलर ब्राण्ड हलवाई
स्पे. मैदा उपलब्ध है

मोहन ट्रेडिंग कम्पनी

अधिकृत विक्रेता : दावत बासमती चावल

हर प्रकार के चावल, दालें, मैदा, सूजी, बेसन, पौहा के होलसेल व्यापारी

153, कृषि उपज मण्डी यार्ड, उदयपुर (राज.) Phone : 0294-2483671, 2464036 (R)

प्लांट : जी–1, 414, सिक्योर मीटर के पीछे, कैम्बे होटल के पहले वाली गली, भामाशाह इण्ड. एरिया, कलड़वास, उदयपुर (राज.)

तिरूमाला-तिरूपति दुनिया का सबसे अमीर मंदिर

बैंक में जमा 18,817 करोड़ की नकदी, 11,329 किलो सोना

पीयूष शर्मा

दुनिया के सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट तिरूमाला-तिरूपति देवस्थानम (टीटीडी) ने इस साल 1161 करोड़ की एफडी कराई है। पिछले 12 सालों में यह सबसे ज्यादा है। यह ट्रस्ट दुनिया का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट है। यह देश का एकमात्र हिंदू धार्मिक ट्रस्ट है, जो पिछले 12 सालों में साल दर साल लगातार 500 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की रकम जमा कर रहा है। 2012 तक ट्रस्ट का फिक्स डिपॉजिट 4820 करोड रुपए था। इसके बाद तिरूपति ट्रस्ट ने 2013 से 2024 के बीच 8467 करोड़ रुपए से अधिक की रकम जमा की है। ट्रस्ट की बैंकों में कुल एफडी 13,287 करोड़ से अधिक की है। इसके अलावा मंदिर ट्रस्ट की ओर से संचालित कई ट्रस्ट जिसमें श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नप्रसादम ट्रस्ट, श्री वेंकटेश्वर प्राणदानम ट्रस्ट आदि हैं, जिन्हें भक्तों से पर्याप्त दान मिलता है। उनकी करीब 5529 करोड़ रुपए की फिक्स डिपॉजिट हो गई है।

बैंक बैलेंस 18817 करोड़ पहुंचा

सभी बैंकों और ट्रस्टों में तिरूपति ट्रस्ट की नकदी 18817 करोड़ रुपए तक हो गई है। जो इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी रकम है। ट्रस्ट अपनी एफडी पर ब्याज के रूप में सालाना लगभग 1600 करोड़ रुपए की राशि अर्जित करता है।

इसके अलावा हाल ही में 1031 किलोग्राम सोने की जमा के बाद, बैंकों में मंदिर का सोना भंडार भी बढ़कर 11,329 किलोग्राम हो गया है।

2012 में ट्रस्ट की एफडी 4820 करोड़ थी

साल दर साल तिरूपति ट्रस्ट की फिक्स डिपॉजिट में बढ़ोतरी हो रही है। 2013 में 608 करोड़, 2014 में 970 करोड़, 2015 में 961 करोड़, 2016 में 1153 करोड़, 2017 में 774 करोड़, 2018 में 501 करोड़ की एफडी हुई थी।

मंदिर से जुड़ी खास बातें...

यहां बालों का दान किया जाता है

मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती है। इसलिए यहां अपनी सभी बुराइयों और पापों के रूप में लोग अपने बाल छोड़ जाते हैं।

भक्तों को नहीं दिया जाता तुलसी पत्र

सभी मंदिरों में भगवान को चढ़ाया गया तुलसी पत्र बाद में प्रसाद के रूप में भक्तों को दिया जाता है। अन्य वैष्णव मंदिरों की तरह यहां पर भी भगवान को रोज तुलसी पत्र चढ़ाया तो जाता है, लेकिन उसे भक्तों को प्रसाद के रूप में नहीं दिया जाता। पूजा के बाद उस तुलसी पत्र को मंदिर परिसर में मौजूद कूप में विसर्जिज किया जाता है।

शुक्रवार को ही पूरी मूर्ति के दर्शन

मंदिर में बालाजी के दिन में तीन बार दर्शन होते हैं। पहला दर्शन विश्वरूप कहलाता है, जो सुबह के समय होता है। दूसरा दर्शन दोपहर को और तीसरा दर्शन रात को होता है। भगवान बालाजी की पूरी मूर्ति के दर्शन केवल शुक्रवार को सुबह अभिषेक के समय ही किए जा सकते हैं।

पिछले 12 सालों में पहली बार कोरोना काल में एफडी की राशि घट गई थी। 2019 में 285 करोड़, 2020 में 753 करोड़, 2021 में 270 करोड़, 2022 में 274 करोड़ की एफडी हुई थी। पिछले साल ट्रस्ट ने 757 करोड़ की एफडी कराई थी।

भगवान विष्णु को कहते हैं व्यंकटेश्वर

इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यह मेरू पर्वत (आंध्रप्रदेश) के सप्त शिखरों पर बना हुआ है, इसकी सात चोटियां शेषनाग के सात फनों का प्रतीक कही जाती हैं। इन्हें शेषाद्रि, नीलाद्रि,गरुडाद्रि, अंजनाद्रि, वृषटाद्रि, नारायणाद्रि और व्यंकटाद्रि कहा जाता है। इनमें से व्यंकटाद्रि नाम की चोटी पर भगवान विष्णु विराजित हैं और इसी वजह से उन्हें व्यंकटेश्वर के नाम से जाना जाता है।

बालाजी ने यहीं दिए थे रामानुजाचार्य को साक्षात दर्शन

यहां बालाजी के मंदिर के अलावा और भी कई मंदिर हैं, जैसे आकाशगंगा, पापनाशक तीर्थ, वैकुंठ तीर्थ, जालावितीर्थ, तिरूच्चानूर। ये सभी स्थान भगवान की लीलाओं से जुड़े हैं। कहा जाता है कि श्री रामानुजाचार्य जी लगभग डेढ़ सौ साल तक जीवित रहे और उन्होंने सारी उम्र भगवान विष्णु की सेवा की, जिसके फलस्वरूप यहीं पर भगवान ने उन्हें साक्षात दर्शन दिए थे।

भक्त ने दिया दंड

भगवान श्रीव्यंकटेश्वर को उत्तर भारतीय श्रद्धालु बालाजी कहते हैं। यह आंध्रप्रदेश में हैं। भगवान के मुख्य दर्शन तीन बार होते हैं। पहला दर्शन विश्व रूप दर्शन कहलाता है। दूसरा दर्शन मध्याह्न में तथा तीसरा दर्शन रात्रि में होता है। इन सामूहिक दर्शनों के अतिरिक्त अन्य दर्शन हैं। श्री बालाजी का मंदिर तीन परकोटे से घिरा है। इनमें गोपुर बने हैं, जिन पर स्वर्ण कलश स्थापित हैं। स्वर्णद्वार के सामने तिरूमहामंडपम नामक मंडप है। एक सहस्त्रस्तंभ मंडप भी है। मंदिर के सिंह द्वार नामक प्रथम द्वार को पडिकावलि कहते हैं। इस द्वार के भीतर बालाजी के भक्त नरेशों एवं रानियों की मूर्तियां बनी हैं। प्रथम द्वार तथा द्वितीय द्वार के मध्य की प्रदक्षिणा को सम्पडि–प्रदक्षिणा कहते हैं। इसमें विरज नामक एक कुआं है। श्रीबालाजी की पूर्वाभिमुख श्रीमूर्ति श्यामवर्ण की है। वे शंख, चक्र, गदा, पद्म लिए खड़े हैं। यह मूर्ति लगभग सात फुट ऊंची है। भगवान के दोनों ओर श्रीदेवी और भूदेवी की मूर्तियां हैं। भगवान को चंदन और भीमसेनी कपूर का तिलक लगता है। भगवान के तिलक से उतरा यहचंदन यहां प्रसाद के रूप में बिकता है। श्रद्धालु उसको अंजन के लिए ले जाते हैं। श्रीबालाजी की मूर्ति में एक स्थान पर चोट का चिह्न है। उस स्थान पर दवा लगाई जातीहै। इस संबंध में एक कथा है। कहते हैं, एक भक्त प्रतिदिन भगवान के लिए दूध ले आता था। वृद्ध होने पर, जब उसे आने में कष्ट होने लगा, तब भगवान स्वयं जाकर चुपचाप उसकी गाय का दूध पी आते थे। गाय को दूध न देते देख उस भक्त ने एक दिन छिपकर देखने का निश्चय किया। और जब सामान्य मानववेश में आकर भगवान दूध पीने लगे, तब उसने उन्हें डंडा मारा, भगवान ने प्रकट होकर उसे दर्शन दिए। यहीं डंडा लगने का चिह्न मूर्ति में है।

डॉ. रवीन्द्र नागर

Happy Navratri

Anup Kumar Jhambani
Director

Industrial Electricals

Authorised Dealer For

Schneider Electric, FLUKE Calibration, Empire CABLES, Unique CABLES, minilec, MKAY POWER CONTROLS, METRAVI, ascon, HPL, "JAYKAY" Sirens, HEX, KAYCEE, COOPER Bussmann, connectwell ...The Right Connection, M-seal, 3M

Shop No. 157-B, Shakti Nagar (In the street Near RSEB-GSS) Udaipur-313 001 (Raj.)
Phone : 0294 - 2422742, 2411879, Mob. : 9829072047
E-mail : info@industrialelectricals.com, Website : www.industrialelectricals.com

समाज की अनमोल धरोहर बुजुर्ग

1 अक्टूबर
वरिष्ठ नागरिक दिवस

राजेन्द्र कुमार शर्मा

बढ़ती आयु, संयुक्त परिवार का ह्रास तथा सामाजिक ताने-बाने का टूटना वृद्धजन को एकाकी और उपेक्षा की ओर धकेल रहा है। आज ऐसे समाज निर्माण की आवश्यकता है, जो वृद्धों को बोझ नहीं बल्कि मूल्यवान मानवीय संसाधन समझे। वे अनुभवों का अकूत खजाना और अनमोल धरोहर हैं। वृद्धावस्था जीवन का वह पड़ाव है जब व्यक्ति शारीरिक-मानसिक और भावात्मक रूप से क्षीण हो रहा होता है। वृद्ध व्यक्ति को जहां एकओर शारीरिक और मानसिक सहारे की आवश्यकता होती है, वहीं दूसरी ओर भावनात्मक सहारा वृद्धावस्था में किसी वरदान से कम नहीं होता। बढ़ती आयु, संयुक्त परिवार का ह्रास तथा सामाजिक ताने-बाने का टूटना वृद्धों का अकेलेपन और उपेक्षा की ओर धकेल रहा है। भारतीय संस्कृति में संयुक्त परिवार की धारणा सदैव से ही परिवार के पचपन और बचपन दोनों आयु वर्गों के लिए सुरक्षात्मक कवच का काम करती रही है। परंतु समय के साथ-साथ संयुक्त परिवार की धारणा स्वप्न मात्र बन कर रह गई। एकल परिवार की अवधारणा ने बच्चों से उनका बचपन और वृद्धों से उनका सहारा छीन लिया है। ऐसे में परिवारों में बच्चे और वृद्ध दोनों ही एक ओर अकेलेपन का दंश झेलने को मजबूर हैं तो दूसरी ओर विभिन्न अपराधों के शिकार हो रहे हैं। बड़े शहरों में अकेले रहने वाले वृद्ध दंपतियों के साथ अपराध की बढ़ती घटनाएं आए दिन अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं। इन परिवारों के युवा सदस्य एक शानदार और लक्जरी लाइफ स्टाइल की अंधी दौड़ में शामिल हो या तो विदेशों की ओर रूख करते हैं या फिर दूसरे बड़े शहरों में स्थानांतरित हो जाते हैं, बिना यह अनुभव किए कि उनके पीछे से उनके वृद्ध माता-पिता की सुरक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी कौन उठाएगा? वृद्ध माता-पिता सिर्फ मन मसोस कर रह जाते हैं, क्योंकि उनके पास न तो विरोध करने का अधिकार होता है और न हीं इतनी शक्ति। वे इसे नियति मानकर स्वीकार कर लेते हैं। परिवार के वृद्धजन आखिर परिवार की युवा संतान से क्या मांग करते हैं? एक माता-पिता जो अपनी संतान के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देते हैं। वे उनसे बदले में उनका कुछ समय और भावनात्मक सहारा चाहते हैं, जिसमें कोई पैसा खर्च नहीं होता। प्रतिदिन वृद्ध माता-पिता को दिया गया कुछ समय उनके जीवन को खुशियों से भर देता है, वे अकेलेपन और इससे होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बच जाते हैं। पर यह तभी संभव है जब परिवार की युवा पीढ़ी इस पर गंभीरता से विचार करे। एकल परिवारों की घर की देखरेख और बच्चों की देखभाल के लिए हजारों रुपए सैलरी पर नौकरी और आया रख सकते हैं, जिनका आपके और आपके परिवार के साथ कोई भावनात्मक लगाव नहीं होता, मात्र एक व्यावसायिक रिश्ता होता है। परंतु बिलकुल निःशुल्क वह सुविधाएं देने वाले वृद्ध माता-पिता को रख पाना हमारे लिए मुश्किल होता जा रहा है। शायद यही कारण है कि न तो वह घर में सुरक्षित रहे और न परिवार में मान-सम्मान होता है, परिवार में कभी उनका एक विशेष स्थान था, उनकी सलाह से ही परिवार के सभी बड़े निर्णय लिए जाते थे। पर आज घर के बुजुर्गों को किसी मामले में अपनी सलाह मशविरा देने पर या तो झिड़क दिया जाता है या फिर यह कह कर कि 'आपका जमाना और था' उनके मुंह पर ताला लगा दिया जाता है। शायद यही कारण है कि परिवारों में लिए जाने वाले निर्णय अपरिपक्व होते हैं और अक्सर सफल नहीं हो पाते। भारत जैसे देश में वृद्धों की संख्या में होने वाली निरंतर वृद्धि एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आने वाली है, जिसके लिए अग्रिम प्रबंधन की आवश्यकता पड़ेगी। सरकार के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की एक सीमा है, परंतु परिवार और समाज का सहयोग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बुद्धि परीक्षण उत्तर

1. 1608 ई. में हंस लिप्परशे ने, 2. गैलीलियो गैलिली, 3. लोकोमोशन, 4. एडमंड स्पैंसर, 5. दिमाग, 6. न्याग्रा फॉल्स, 7. शिकागो स्थित फ्रैंगट बोट क्लब के सदस्य जोर्ज हैनकॉक ने सन 1887 में, 8. किटनबॉल या मुशबॉल, 9. प्रतियोगिता क्षेत्र, 10. अट्ठारह।

प्रत्यूष

यूसीसीआई में सेमिनार

ईपीआर नियमों की अनदेखी से बंद हो जाएंगे उद्योग-व्यवसाय : पंवार

उदयपुर। ईपीआर संबंधित नियमों की अनुपालना के लिए सरकार काफी सचेत है। अनुपालना नहीं करने पर उद्योग और व्यवसाय बंद हो जाएंगे। यह जानकारी यूसीसीआई में कल्पना पंवार ने दी। आईआईएमएम उदयपुर चैपटर और यूसीसीआई के संयुक्त तत्वावधान में यूसीसीआई भवन में ईपीआर कंपलायंस एंड बिजनेस सस्टेनेब्लिटी पर सेमिनार हुआ। इसमें रीसाइकिल हैदराबाद की कल्पना पंवार और विनय अग्रवाल विषय विशेषज्ञ थे। सेमिनार

में उद्योग और व्यवसाय से जुड़े लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आईआईएमएम उदयपुर चैप्टर के चेयरमैन अनिल मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में प्लास्टिक का उपयोग अवश्यम्भावी है। सरकार का यह प्रयास है कि प्लास्टिक वेस्ट को रीसाइकिल कर पुन: उपयोग में लिया जाए। यूसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष गलूंडिया ने वर्तमान समय में वेस्ट निस्तारण को सबसे बड़ी चुनौती बताया। कार्यक्रम में पीएस तलेसरा, सीसी तलेसरा, अंशुल मोगरा, प्रकाश बोलिया, केजार अली, डॉ. पंकज तलेसरा भी मौजूद थे।

कुलदीप बने लेकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष

उदयपुर। लेकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद के 15 सितम्बर को संपन्न चुनाव में कुलदीप सिंह गहलोत निर्वाचित हुए। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भगवान प्रजापत को पराजित किया। चुनाव संयोजक रफीक एम पठान व चुनाव अधिकारी एडवोकेट अरुण व्यास थे। कुलदीप सिंह को 107 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी भगवान प्रजापत को 29 मत मिले। इस तरह कुलदीप सिंह गहलोत 78 मतों से विजयी रहे। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष कपिल श्रीमाली सहित वरिष्ठ पत्रकार व क्लब सदस्य मौजूद रहे।

बोलिया यूसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष

उदयपुर। उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री की वर्ष 2024-25 की कार्यकारिणी समिति की बैठक एम.एल. लूणावत की अध्यक्षता में यूसीसीआई भवन के पायरोटेक टेम्पसंस सभागार में हुई। बैठक में कार्यकारिणी समिति के सदस्यों, पूर्वाध्यक्षों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए प्रकाशचन्द्र बोलिया को मानद कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

जेके तायलिया फाउंडेशन का शुभारंभ

उदयपुर। अनाथालय-वृद्धाश्रम की मदद और जरूरतमंद बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए उदयपुर में डॉ. जेके. तायलिया फाउंडेशन की शुरुआत की गई। समाजसेवी और इकोन के चेयरमैन डॉ. जेके तायलिया ने 1 सितम्बर को अपने जन्मदिन से पहले फाउंडेशन शुरू करने की घोषणा की है।

आंचलिया जीतो उदयपुर चैप्टर के अध्यक्ष बने

उदयपुर। सामजिक संस्था जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) के द्विवार्षिक चुनाव स्थानीय कार्यालय में संपन्न हुए। निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्र सिरोया ने बताया कि जीतो उदयपुर चेप्टर के अध्यक्ष के रूप में यशवंत आंचलिया को वर्ष 2024-26 के लिए निर्विरोध निर्वाचित किया गया। उन्होंने बताया कि चार सदस्यों ने नामांकन भरा, इनमें से तीन के नाम वापस लेने पर आंचलिया को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

पैरालिंपिक खेलों में भारत ने रच दिया इतिहास

7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक जीते, पहली बार टॉप 20 देशों में फिनिश किया

अभिजय शर्मा

पिछले माह पेरिस में पैरा (दिव्यांग) ओलम्पिक खेलों में भारत ने अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 29 पदक जीते। इन खेलों में कुल 84 भारतीय पैरा एथलीटों ने शिरकत की, जिनमें 7 राजस्थान के थे। खिलाड़ियों की तैयारियों पर सरकार ने करीब 74 करोड़ रुपए खर्च किए थे। वहीं पिछले टोक्यो पैरालंपिक खेलों में 26 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। इससे साफ है कि पिछले तीन वर्ष में देश में पैरालंपिक खेलों को लेकर नजरिया बदला है, लेकिन अभी जमीनी स्तर पर काफी कुछ किया जाना बाकी है। खेल का मैदान इसलिए होता है कि उसमें जीत हासिल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा कोशिश की जाए। जीत गए तो उससे बेहतर करने और नहीं जीते तो अगली बार जीत के लिए फिर से खुद को तैयार करने की राह पर आगे बढ़ने की प्रक्रिया जारी रखी जाए।

इस बार के पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन से छाए निराशा के बादल उस समय छंट गए जब हमारी 84 सदस्यीय पैरालिंपिक टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया। यानी भारत की गिनती टॉप 20 में होना, गर्व का विषय है। इस बार भारतीय दल ने कुल 29 पदक अर्जित किए। इनमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 14 कांस्य पदक हैं। इनमें पैरा बैडमिंटन में 5, पैरा शूटिंग में 4, पैरा तीरंदाजी में 2 और पैरा जूडो में 1 पदक। निशानेबाजी में अवनि लेखरा और भाला फेंक में सुमित अंतिल, एफ-41 स्पर्द्धा में नवदीप सिंह ने नया पैरालिंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीते। ऊंची कूद में प्रवीण कुमार, क्लब थ्रो में धर्मवीर, बैडमिंटन में नितेश कुमार, तीरंदाजी में हरविंदर सिंह ने पहली बार स्वर्ण पदक अर्जित किए। मरियप्पन थंगावेलू ने लगातार तीसरी बार पदक जीता, तो 17 वर्षीय बिना हाथ की तीरंदाज शीतल पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय रही। प्रीतिपाल ने भारत का पहला ट्रैक पदक जीता, तो कपिल परमार ने पहला पैरा जूड़ो पदक। सेना में ड्यूटी के दौरान एक पांव गंवा चुके नागालैंड के चालीस वर्षीय होकाटो सेमा ने बतौर शॉटपुटर चमक बिखेरी। पिछले टोक्यो पैरालिंपिक में भारतीय दल ने 19 पदक जीतकर पदक तालिका में 24वां स्थान अर्जित किया था। ऐसे में इस बार का प्रदर्शन काफी बेहतर माना जा सकता है। कहा जा सकता है कि वक्त के साथ भारत के खिलाड़ियों की क्षमता में गुणात्मक सुधार आया है। इसकी तुलना में हमारी 177 सदस्यीय ओलंपिक टीम ने एक रजत और पांच कांस्य पदक जीते। टोक्यो में एक स्वर्ण सहित 7 पदक अर्जित किए थे।

राजस्थान (जयपुर) की स्टार पैराशूटर अवनि लेखरा ने शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता। पिछले टोक्यो पैरालंपिक में उन्होंने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक हासिल किया था। अवनि 2012 में 11 वर्ष की उम्र में एक कार दुर्घटना की शिकार हो गई थी। जबर्दस्त चोटें आई और वे लकवाग्रस्त हो गई। उसके बाद उनका जीवन ही बदल गया। पिता के कहने पर शूटिंग (निशानेबाजी) शुरू की। पद्मश्री से सम्मानित अवनि को 2021 में खेल रत्न पुरस्कार से नवाजा गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पदक विजेताओं सहित अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से फोन पर बात कर उनकी हौसला अफजाई करते हुए बधाई दी। खिलाड़ियों के दल के भारत लौटने पर भी उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री से हुई और उन्होंने उनसे अपने अनुभव साझा किए।

शीर्ष 5 में जगह बनाने की होगी कोशिश

पिछले कुछ सालों में चीजें काफी तेजी से बदली हैं। अब हमारा लक्ष्य 2028 पैरालंपिक खेलों में पदक तालिका में शीर्ष पांच में जगह बनाने का होगा।

देवेन्द्र झांझड़िया,
अध्यक्ष, भारतीय पैरालिंपिक कमेटी

ओलंपिक व पैरालंपिक एथलीटों को मिलती है समान राशि

भारत समेत कई देश पैरालंपिक और ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले अपने एथलीटों को एक समान इमानी राशि देते हैं। इसका मकसद पैरा एथलीटों को बराबरी का दर्जा देना है।

मेडल जीतने पर मिलने वाली राशि

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य
सिंगापुर	3.19 करोड़	1.19 करोड़	96 लाख
इजराइल	2.29 करोड़	1.61 करोड़	1.15 करोड़
मलेशिया	1.93 करोड़	58 लाख	19 लाख
हांगकांग	1.16 करोड़	80 लाख	49 लाख
स्पेन	88 लाख	45 लाख	28 लाख
भारत	75 लाख	50 लाख	30 लाख
फ्रांस	74 लाख	37 लाख	18 लाख

इन खेलों में हमारे पैरा एथलीटों ने पहली बार जीता पदक

तीरंदाजी

हरविंदरसिंह ने व्यक्तिगत रिकर्व ओपन स्पर्द्धा में स्वर्ण जीता। यह ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के इतिहास में भारत का पहला पदक है।

ट्रैक स्पर्धा

प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 और 200 मी टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह ट्रैक स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

जूडो

कपिल परमार ने 60 किग्रा जे-1 क्लास स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। पैरालंपिक खेलों के इतिहास में यह भारत का पहला पदक रहा।

तीरंदाजी

शीतल देवी पदक जीतने वाली भारत की पहली तीरंदाज बनी, जिनके दोनों हाथ नहीं हैं। उन्होंने राकेश के साथ मिक्स्ड इवेंट में कांस्य जीता।

रियो ओलिंपिक 2016 में देश को सिर्फ 3 पदक मिलने से निराशा थी। इसी दौरान पैरालिंपिक में भारत ने 2 गोल्ड समेट 4 मेडल जीते, इसके बाद सभी का ध्यान इन खेलों की ओर गया। 2016 में पहली बार हुआ जब प्रधानमंत्री ने पैरालिंपिक एथलीट्स से मुलाकात की। तब तक देश में दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए सुगम्य अभियान भी शुरू हो चुका था। लोग दिव्यांगों को सम्मान की नजरों से देख रहे थे और विशेष रैंप और शौचालयों आदि के निर्माण से पैरा-खिलाड़ियों की स्टेडियम तक पहुंच बनने लगी थी।

दीपा मलिक,
भारतीय पैरालिंपिक कमेटी की पूर्व अध्यक्ष

वंडर सीमेंट को 9वीं बार भामाशाह सम्मान

उदयपुर। वंडर सीमेंट लिमिटेड आरके नगर निम्बाहेड़ा द्वारा शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं आधारभूत विकास हेतु वर्ष 2023-24 में राशि एक करोड़ 48 लाख रुपए द्वारा विभिन्न राजकीय विद्यालयों में करवाए उल्लेखनीय कार्यों पर वंडर सीमेंट लिमिडेट को राज्य सरकार के उदयपुर में हुए 28वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2024 में कम्पनी के पूर्णकालिक निदेशक परमानंद पाटीदार, सीएसआर हेमेन्द्रसिंह झाला को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव कृष्ण कुणाल द्वारा शिक्षा विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वंडर सीमेंट लि. के यूनिट हैड नितिन जैन ने बताया आरके मार्बल ग्रुप की तरह ही वंडर सीमेंट लि. की भी पहली प्राथमिकता राजकीय विद्यालयों का आधारभूत विकास एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा रही है। वर्ष 2023-24 में कम्पनी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत विकास के लिए निरंतर तत्पर रहते हुए वंडर उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत परियोजना क्षेत्र के नजदीकी गांवों के राजकीय विद्यालयों के भौतिक परिवेश में सुधार हेतु नवीनीकरण कार्य, कक्षा-कक्षों मय बरामदे निर्माण, बॉस्केट बॉल कोर्ट, बैडमिंटर कोर्ट, प्रार्थना स्थल, स्टेज, शौचालय यूनिट, स्वागत द्वार निर्माण सहित राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की बैठक व्यवस्था के लए अब तक 3381 फर्नीचर सेट भी उपलब्ध कराए हैं।

एनालिटिकल दिमाग ही सफलता की कुंजी : जेपी अग्रवाल

उदयपुर। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज (गिट्स) डबोक के नये सत्र में नवागंतुक विद्यार्थियों के इंडक्शन प्रोग्राम में गीतांजलि ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने विद्यार्थियों की हौसलाफजाई करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए आत्मविश्वास और धैर्य बहुत जरूरी है। किताबी ज्ञान कॉलेज के कैम्पस में तो मिल जाएगा, लेकिन बाहरी दुनिया में सफल होने के लिए बाहरी वातावरण की छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होगा। आज के तकनीकी युग में एनालिटिकल दिमाग ही सफलता की कुंजी है। नकारात्मक सोच छोड़कर कोर कॉम्पीटेंस विकसित करना होगा। संघर्ष जीवन का हिस्सा है, इसमें हमें सीखने को मिलता है। संस्थान के निदेशक डॉ. एनएस राठौड़ ने बताया कि मुख्य अतिथि कोटा वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. के.सी. सोडानी ने कहा आजकल लोग रिस्क लेने से डरते हैं, जबकि रिस्क ना लेना ही सबसे बड़ा रिस्क है।

भाजपा देहात जिला में आकाश बने महामंत्री

उदयपुर। भारतीय जनता पार्टी के देहात जिलाध्यक्ष डॉ. चन्द्रगुप्त सिंह चौहान ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए देहात जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी नरेन्द्र सिंह आसोलिया व शांतिलाल मेघवाल (पूर्व जिला प्रमुख) को सौंपी है। आकाश वागरेचा (वल्लभनगर) को जिला महामंत्री, मयूरध्वज सिंह, कृष्णा मीणा (ओगणा) व सुगना मीणा (जयसमंद) को जिला मंत्री मनोनीत किया है। एसटी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर सोनल मीणा (जिला उपाध्यक्ष) व एसटी मोर्चा प्रदेश मंत्री पद पर शंकर खराड़ी (एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष), एसटी मोर्चा जिला संयोजक पद पर मुरारीलाल बूमरिया (पूर्व प्रधान) व अल्पसंख्यक जिला संयोजक पद पर आगा खान (पूर्व उपसरपंच, सराड़ा) का मनोनयन किया है।

महावीर खराड़ी बने आरएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद (आरएएस) एसोसिएशन के महावीर खराड़ी अध्यक्ष चुने गए। उन्हें सर्वाधिक 362 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी अशोक शर्मा को 286 और राकेश शर्मा को 256 वोट मिले। चार साल बाद हुए इस चुनाव में पहली बार ऑनलाइन वोटिंग की सुविधा मिली। हर जिले के आरएएस अधिकारी ने इसमें भाग लिया।

आइएएस में हसीजा पदोन्नत

उदयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 11 अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में प्रमोट किया गया है। इनमें हाल में जयपुर हेरिटेज निगम में नियुक्त आयुक्त अरुण कुमार हसीजा भी शामिल हैं। वे इससे पहले 13 सितम्बर 2019 में 26 अप्रेल 2022 तक यूआईटी सचिव के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। पदोन्नति के दौरान वे आबकारी विभगा में अतिरिक्त आयुक्त थे।

संभागीय आयुक्त का अभिनंदन

उदयपुर। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट गत 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गये। वरिष्ठ जिलाधिकारियों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर आपके सामने नित नई चुनौतियां आती हैं, टीम अच्छी और परस्पर सामंजस्य हो तो हर चुनौती आसान बन जाती है। जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने भट्ट के मार्गदर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी कार्य के सुचारू सम्पादन में टीम लीडर की कुशलता और नेतृत्व महत्वपूर्ण होता है। कार्यक्रम में खान एवं भूविज्ञान निदेशक भगवती प्रसाद कलाल, टीएडी आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी, एडीएम प्रशासन दीपेन्द्रसिंह राठौड़, एडीएम सिटी राजीव द्विवेदी, जिला रसद अधिकारी गीतेश श्री मालवीय सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

सिंघल फाउंडेशन ने दिए भारतात्मा पुरस्कार

उदयपुर। सिंघल फाउंडेशन द्वारा स्थापित भारतात्मा अशोक सिंघल वेद पुरस्कार समारोह अध्योया में संपन्न हुआ। फाउंडेशन अध्यक्ष सलिल सिंघल ने बताया कि वेदों के लिए दिए जाने वाले देश के पहले राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मुख्य अतिथि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदान किए। उन्होंने बताया कि इन पुरस्कारों के तहत सर्वश्रेष्ठ वेद विद्यार्थी, आदर्श वेदाध्यापक, उत्तम वेद विद्यालय और वेदार्पित जीवन सम्मान के लिए प्रमाण पत्र के साथ 3-5 और 7 लाख की राशि दी गई।

डॉ. चौधरी नर्सिंग कॉलेज का वार्षिकोत्सव

उदयपुर। डॉ. चौधरी नर्सिंग कॉलेज का वार्षिकोत्सव एवं शपथ ग्रहण समारोह अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में हुआ। प्रधानाचार्य राहुल व्यास ने बताया कि आयोजन के मुख्य अतिथि चेयरमैन डॉ. बी.आर. चौधरी व डायरेक्टर डॉ. कल्पेश चौधरी थे। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि ने नर्सिंग छात्रों को अपने पेशे के प्रति समर्पित भाव से दायित्व निर्वहन की शपथ दिलवाई। कॉलेज के जो छात्र सरकारी सेवा में चयनित हुए उन्हें अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित

बालमुकुंद असावा राजसमंद के नए जिला कलक्टर

जयपुर. राजसमंद के नए जिला कलक्टर के रूप में बालमुकुंद असावा की नियुक्ति की गई है। पिछले दिनों जारी स्थानांतरण सूची में आईएएस शुभम चौधरी को जिला कलक्टर राजसमंद के पद से स्थानांतरित कर जिला कलक्टर सवाईमाधोपुर के पद पर लगाया गया है तो वहीं जिला कलक्टर डीडवाना-कुचामन बालमुकुंद असावा को स्थानांतरित कर जिला कलक्टर राजसमंद के पद पर लगाया गया है। आईएएस असावा का प्रशासनिक अनुभव बेहद व्यापक और विविधतापूर्ण रहा है।

दिल को रखे दुरूस्त शाकाहारी भोजन

शाकाहारी भोजन दिल की सेहत को दुरूस्त रखने में मददगार होता है। लगातार आठ सप्ताह तक शाकाहारी भोजन करने से हृदय रोग के खतरे को टाला जा सकता है। अमेरिका में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह आनुवांशिक कारणों से होने वाले हृदय रोग को रोकने में भी सक्षम है। इस अध्ययन को जैम ओपेन नेटवर्क में प्रकाशित किया गया।

कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ मेडिसन में हुए अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 22 जोड़ी जुड़वां बच्चों को शामिल किया। उन्होंने बताया कि अक्सर देखा गया कि आहार अक्सर आनुवंशिक खतरों को रोकने में सक्षम नहीं होते। लेकिन इस अध्ययन में शाकाहारी भोजन एक जैसे जुड़वाँ बच्चों में आनुवांशिक खतरों को नियंत्रित करने और अन्य कारकों को सीमित करने में सक्षम थे।

अध्ययन के मुखिया क्रिस्टोफर गार्डनर ने बताया कि अध्ययन में इस बात के सुबूत मिले हैं कि मांसाहार की तुलना में शाकाहारी आहार अधिक स्वास्थ्यप्रद है। उन्होंने बताया कि जुड़वां बच्चों पर अध्ययन करना काफी मुशकिल था। उनमें अंतर आप तभी कर सकते थे जब उन दोनों के साथ अत्यधिक समय बिताते हैं।

अध्ययन की प्रक्रिया

दो महीने तक चले अध्ययन में 44 प्रतिभागियों को शामिल किया गया। इसमें प्रत्येक जुड़वां बच्चों में से एक को शाकाहारी और एक को मांसाहारी भोजन दिया गया। उन्होंने बताया कि शाकाहारी आहार में अंडे या दूध जैसे उत्पाद शामिल नहीं थे। जबकी मांसाहार में चिकन, मछली, अंडे शामिल थे। पहले महीनें के दौरान प्रति सप्ताह उन्हें 21 मील परोसे गए। जबकि दूसरे महीनें प्रतिभागियों ने अपना भोजन स्वय तैयार किया। दो महीने बाद शोधकर्ताओं ने पाया कि शाकाहारी आहार वाले प्रतिभागियों में मांसाहारी प्रतिभागियों की तुलना में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर, इंसुलिन की मात्रा और मोटापे का स्तर काफी कम था। ये सभी बेहतर हृदय स्वास्थ्य से जुड़े हैं। वहीं उनके खून में जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा भी ज्यादा थी।

मधुमेह रोकने में कारगर

शाकाहारी प्रतिभागियों में इंसुलिन की मात्रा में लगभग 20 फीसदी की गिरावट देखी गई। उच्च इंसुलिन स्तर मधुमेह के विकास के लिए एक जोखिम कारक है। वहीं, शाकाहारी, लोगों का वजन मांसाहारी लोगों की तुलना में औसतन 4.2 पाउंड ज्यादा कम हुआ।

देरी से आएगा बुढ़ापा

क्रिस्टोफर गार्डनर के मुताबिक शाकाहारी भोजन से आत में बैक्टीरिया की वृद्धि और टेलोमेयर हानि में कमी होती है जो बुढ़ापे की गति को भी धीमा करता है। भारतीय मसाले और दाल आधारित व्यंजन शाकाहारी भोजन का सबसे अच्छा विकल्प है।

जो बल से विजय प्राप्त करता है, वह शत्रु पर आधी विजय ही प्राप्त करता है।
-मिल्टन

सोलह कलाओं से परिपूर्ण चंद्र का दर्शन-पूजन

डॉ. राकेश कुमार सिन्हा

भगवान शिव सहित कई देवताओं के मस्तक का शृंगार बने चन्द्रमा का हमारे जीवन में विशेष महत्व है, जो जीवन के हर विकास तत्व को हर हाल में प्रभावित करता है। चन्द्रपूजन-दर्शन का पवित्र दिवस शरद की पूर्णिमा ही है। इससे इहलौकिक और पारलौकिक दोनों प्रकार के सुख मिल जाते हैं।

वर्ष में बारह पूर्णिमा होती हैं। पुरुषोत्तम (मलमास) माह वाले वर्ष में एक पूर्णिमा बढ़ जाती है। हर पूर्णिमा का अपना अलग प्रभाव और महत्व है। इन सबके बीच शरद पूर्णिमा की बात तो कुछ और ही है। उसका अपना विशेष महत्व है, जो धर्म और स्वास्थ्य दोनों को जोड़ते हुए अति कल्याणकारी है। इस वर्ष शरद पूर्णिमा का पर्व 16 अक्टूबर को है।

भारतीय लोक आख्यानों में पृथ्वी माता के एकमात्र भाई के रूप में चंद्रमा को स्वीकारा गया है, इसीलिए चंदा को मामा कहा जाता है। चंद्र देव के आराधन से मन मस्तिष्क की शांति के साथ-साथ शीतलता सुख समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। चंद्र देव शरद पूर्णिमा की रात्रि संपूर्ण कलाओं से युक्त होते हैं। मानसिक कष्ट से मुक्ति का पुनीत अवसर उपलब्ध कराने वाली शरद पूर्णिमा के दिन चंद्र दर्शन से अधंकार रूपी कष्ट का अंत हो जाता है। मत्स्य पुराण के अनुसार चंद्रमा के अभ्युदय के समय चंद्र देव को देखकर ब्रह्मर्षियों ने स्वीकार किया कि चंद्रमा हम लोगों के स्वामी हैं और उसी समय पितर, ब्रह्मादि देवता, गंधर्व और औषधियों ने चंद्रमा की वैदिक मंत्रों से स्तुति की। इस कारण

चन्द्रमा का तेज और अधिक बढ़ गया। चंद्रमा को पितरों का अधिपति कहा गया है, इनका दूसरा नाम सोम है और इनके आराधन का सर्वाधिक उपयुक्त योग शरद पूर्णिमा को मिलता है। शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है और अंतरिक्ष के समस्त ग्रहों से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा चंद्र किरणों के माध्यम से पृथ्वी पर आती है, जो कल्याणकारी होती है। यह बड़े सौभाग्य की बात है कि प्राकृतिक देवों के अंतर्गत चन्द्रमा की पूजा भारत में आदिकाल से हो रही है और यहां के चन्द्र पूजन तीर्थों में हरिद्वार, तिरूमाला पर्वत, महाबलीपुरम, पंढरपुर, कामरूप, भुवनेश्वर, काशी, उज्जैन, मथुरा, गुवाहाटी, गया, अयोध्या, नालंदा आदि का नाम आता है। शास्त्रों में कहा गया है कि शरद पूर्णिमा की रात्रि में चन्द्रमा की चांदनी में अमृत होता है, इसीलिए इस दिन उसकी किरणों में अमृत और आरोग्य की प्राप्ति का मणिकांचन योग है। यही कारण है कि लोग ताजा-दूध या खीर से भरे पात्र खुले आसमान के नीचे शरद पूर्णिमा की रात रख देते हैं और दूसरे दिन सुबह-सुबह सबसे पहले उसे ही ग्रहण करते हैं। शरद पूर्णिमा का उत्सव पूरे देश में होता है, पर ब्रज मंडल में इसकी विशेष धूम रहती है, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी शुभ तिथि से रासलीला का श्रीगणेश किया था। इसे कौमुदी महोत्सव अथवा रासोत्सव भी कहा जाता है। धर्मज्ञों का मानना है कि शरद पूर्णिमा की चांदनी के तेज से मानसिक, नेत्र और चर्म विकार जैसी कितने प्रकार की आधि-व्याधि का प्रभाव समाप्त होने लगता है। आज भी यह परम्परा कहीं-कहीं कायम है और इस दिन पूरी रात सांस्कृतिक लोक उत्सव का आयोजन किया जाता है। कुल मिलाकर कितने ही देवताओं के मस्तिष्क का शृंगार बने चंद्रमा का हमारे जीवन में विशेष महत्व है, जो जीवन के विकास तत्व को हर हाल में प्रभावित करता है। चंद्र पूजन-दर्शन का पवित्र पुनीत दिवस शरद पूर्णिमा ही है,जिससे इहलौकिक और पारलौकिक, दोनों तरह के सुख मिल जाते हैं। एक अन्य मान्यता के अनुसार माता लक्ष्मी का प्राकट्य भी शरद पूर्णिमा को हुआ। इस वजह से देश के कई भागों में उनकी विशेष पूजा की जाती है। जिसे कोजागरी लक्ष्मी-पूजा के नाम से जाना जाता है। ऐसा भी मानते हैं कि इस दिन देवी लक्ष्मी भगवान श्री विष्णु संग पृथ्वी लोक का भ्रमण करती हैं। इसलिए आसमान में उनका मार्ग प्रशस्त करने के लिए चन्द्रमा अपनी पूर्ण कालाओं के साथ चमकता है।

नए साल की नई उम्मीद

SRG HOUSING FINANCE LTD
Always with you

हम दिल में घर बनाते हैं™

होम लोन

लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी

नवीनीकरण लोन

कंस्ट्रक्शन लोन

THE SRG EDGE

- सरल होम लोन
- त्वरित स्वीकृति एवं वितरण
- सरल दस्तावेज़ीकरण
- घर बैठे सेवाएँ एवं मार्गदर्शन

60+ BRANCHES | **14000+** DREAMS FULFILLED

SEAMLESS SERVICES WITHIN YOUR REACH

1800 121 2399

* T&C Apply

HEAD OFFICE:
Plot No. 12, Opposite Paras JK Hospital, Shobhagpura, Udaipur, Rajasthan - 313001

CORPORATE OFFICE:
1046, 10th Floor, Hubtown Solaris, N. S. Phadke Marg, Vijay Nagar, Andheri (E), Mumbai - 400 069
CIN No : L65922RJ1999PLC015440

srghousing.com
+91 800 3747 666
info@srghousing.com

RAJASTHAN | GUJARAT | MADHYA PRADESH | DELHI | MUMBAI

बेरोज़गारी में नकारात्मकता से अपने को बचाएं

महिमा पालीवाल

मुझे नहीं लगता कि मुझे कभी नौकरी मिलेगी, मैं खुद को बहुत असहाय और हारा हुआ महसूस करता हूं।' यह एक भावना है जो प्रतिदिन अनगिनत युवाओं के दिलों में गूंजती रहती है। चाहे भारत में बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत होने की खबर हो या उत्तर प्रदेश में मात्र 368 विज्ञापित पदों के लिए 23 लाख आवेदकों की कतार या हाल ही में मुंबई में कुछ सौ पदों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए कॉल के जवाब में लगभग 25000 नौकरी चाहने वालों के उमड़ने से मची भगदड़, आंकड़े बेरोजगारी की विकराल स्थिति को बखूबी बयां करते हैं। मुट्ठी भर नौकरियों के लिए नौकरी चाहने वालों की इतनी बड़ी संख्या देश में बेरोजगारी की विकराल समस्या को दर्शाती है।

बेरोजगारी की उच्च दर, कुछ राज्यों में चयनकर्ता मंडलों द्वारा चयन प्रक्रिया में दीर्घ विलम्ब और चयन प्रक्रिया के दौरान प्रश्नपत्रों के लीक होने या वास्तविक उम्मीदवार के स्थान पर डमी उम्मीदवारों द्वारा परीक्षा देने से युवाओं में हताशा और निराशा निरंतर बढ़ रही है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रत्याशी, जिन्होंने कड़ी मेहनत की है और जिनके परिवारों ने उनकी पढ़ाई और भर्ती संबंधी प्रक्रिया की तैयारी के लिए जीवन भर की कमाई संपत्ति को दांव पर लगा दिया है, अपने आप को ठगा हुआ, असहाय तथा निराशा से घिरा पाते हैं।

यहाँ मेरा मन्तव्य बेरोजगारी से निपटने से कहीं ज्यादा उससे होने वाली मानसिक चिंता और परेशानियो से बचने का है। ऐसी भयावह स्थिति में, जहां रोजगार के अवसरों की कमी है और हर दिन अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आप (एक सामान्य प्रतियोगी) यह नियंत्रित करने में सक्षम नहीं हो सकते कि आपको कौन सी नौकरी मिलेगी या नहीं, लेकिन आप अपनी मानसिक स्थिति और विवेकशीलता के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं और इसे नियंत्रित कर सकते हैं ताकि आप रोजगार की खोज में और मजबूती के साथ भाग ले सकें और समय के साथ सफल भी हो सकें।

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से 'मुझे कभी नौकरी नहीं मिलेगी, मैं असहाय हूँ और हारा हुआ हूं' जैसे विचारों का बार-बार मन में आना आपको नकारात्मक बना देगा। ऐसे तर्कहीन और नकारात्मक विचार आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा कर आपमें हीन भावना भरते हैं। आपको ऐसे नकारात्मक विचारों से दूर रहकर यह महसूस करने की आवश्यकता है कि आप अपना लक्ष्य पाने में सक्षम हैं और इसके लिए सतत प्रयास की जरूरत है। क्योंकि यह - 'नौकरी न मिलने' का विचार अस्थायी है, लेकिन जो नकारात्मकता का बीज आप अपने मस्तिष्क में बोते हैं, स्थायी हो सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो, यह समझने की ज़रूरत है कि नौकरी पाना अंतिम लक्ष्य नहीं है; बल्कि वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करना और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना ही ज्यादा महत्वपूर्ण है, और इसके लिए मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होना चाहिए। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं जिनसे आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नौकरी की तलाश के प्रयास में तरोताजा तथा मानसिक रूप से भी स्वस्थ बने रहें:

1. एक सहायता नेटवर्क बनाएं - दोस्तों, परिवार और सहायता समूहों से जुड़ने से ऐसे कठिन समय में नकारात्मकता से राहत और सकारात्मक प्रोत्साहन मिलता है। समान परिस्थितियों में दूसरों के साथ अनुभव साझा करने से अलगाव की भावना कम होती है और आपका मनोबल बढ़ता है।

यह कैसे करें : मित्रों और परिवार तक व्यक्तिश: पहुंचें तथा अपनी भावनाएं साझा करें। याद रखें कि जो लोग आपकी परवाह करते हैं, वे जानना चाहेंगे कि आपके साथ क्या हो रहा है। समान अनुभवों से गुज़र रहे लोगों से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर या अपने समुदाय के सहायता समूहों से जुड़ें।

2. मानसिक विश्राम तकनीकों का अभ्यास करें गहरी सांस लेने के व्यायाम और योग तनाव को काफी - कम कर सकते हैं और मानसिक विश्राम तथा स्पष्टता को बढ़ावा दे सकते हैं। ये अभ्यास आपके भावनात्मक विनियमन और समग्र कल्याण में सुधार कर सकते हैं।

यह कैसे करें : प्रत्येक दिन कुछ मिनट सचेतनता (माइंडफुलनेस) तथा मानसिक विश्राम (रिलैक्सेशन) के लिए समर्पित करें। ध्यान और विश्राम तकनीकों में आपका मार्गदर्शन करने के लिए यूट्यूब पर कई मुक्त ऐप्स और ऑनलाइन ट्यूटोरियल उपलब्ध हैं।

3. शारीरिक रूप से सक्रिय रहें नियमित शारीरिक व्यायाम तनाव को कम करने और मूड को बेहतर बनाने का एक सिद्ध तरीका है। जॉगिंग, साइकिल चलाना या दैनिक सैर (टहलना) जैसी सरल गतिविधियां आपके मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

यह कैसे करें : दैनिक व्यायाम के लिए एक दिनचर्या निर्धारित करें। किसी स्थानीय व्यायामशाला (जिम) में शामिल हों या अपने दोस्तों, परिवार के साथ टहलें या अपनी पसंदीदा धुनों पर शांत बैठ जाएं या टहलें ।

4. कौशल विकास पर ध्यान दें नए कौशल हासिल करने से न केवल आपकी रोजगार क्षमता बढ़ती है बल्कि आत्मविश्वास भी सुदृढ़ होता है। जब नौकरी के अवसर की तलाश में बैठे हों, तो सुनिश्चित करें कि आप सीखते रहें, इससे कौशल में सुधार होगा और साथ ही आपको 'आपके सीवी में अंतराल क्यों है? या इतने समय आप बिना रोजगार के क्यों थे?' जैसे खतरनाक प्रश्नों का भी बढ़िया जवाब मिलेगा।

यह कैसे करें : ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं का लाभ उठाएं। कोर्सएरा (Coursera), उडेमी (Udemy) और लिंक्डइन (Linkedin) लर्निंग जैसे प्लेटफ़ॉर्म आपको कौशल बढ़ाने और प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करने के लिए पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। इन माध्यमों पर सशुल्क तथा निशुल्क दोनों तरह के विकल्प उपलब्ध हैं।

5. स्वयंसेवक या प्रशिक्षु (इंटर्न) बनें स्वयंसेवी कार्य या इंटर्नशिप में संलग्न होने से मूल्यवान अनुभव मिल सकता है, पेशेवर तंत्र (नेटवर्क) बन सकता है और आपके बायोडाटा में सुधार हो सकता है। यह आपको नौकरी की खोज के दौरान अपने कौशल को तराशने और संतुष्टि की भावना भी प्रदान करता है। विशेष रूप से यदि आप अभी अभी कॉलेज से डिग्री लिए हैं, तो इंटर्नशिप करना वास्तव में कार्य नैतिकता (work ethics) बनाने में मदद कर सकता है।

यह कैसे करें- अपनी रुचि के क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्थानों (NGO) में अवसरों या इंटर्नशिप की तलाश करें। इंटर्नशाला और वॉलंटियरिंग इंडिया जैसी वेबसाइट आपको आपके कौशल और जुनून से मेल खाने वाले उपयुक्त अवसर ढूंढने में मदद कर सकती है।

6. पेशेवर मदद लें कभी-कभी हम अकेले ही इस चिंता और नकारात्मकता के जाल से बच नहीं पाते हैं। लेकिन चिंता न करें, ऐसी स्थिति में पेशेवर मनोवैज्ञानिक आपकी सहायता कर सकते हैं। यदि आपको नौकरी की तलाश के दबाव से निपटना मुश्किल लग रहा है, आप सदैव नकारात्मक विचारों से गिरे रहते हैं तो आप मदद के लिए मेरे जैसे पेशेवर मनोवैज्ञानिक के पास पहुंच सकते हैं। आप और मनोवैज्ञानिक मिलकर प्रभावी रणनीति विकसित करने, तनाव का प्रबंधन करने और चिंता और अवसाद की भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए काम कर सकते हैं।

यह कैसे करें: स्थानीय मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक या ऑनलाइन परामर्श सेवाओं या सोशल मीडिया पर ऐसे मनोवैज्ञानिक को खोजें। ऐसी कई स्वयं सेवी संस्थाए (एनजीओ) और हेल्प लाइन हैं जो न्यूनतम लागत पर मनोवैज्ञानिक परामर्श और सहायता प्रदान करती हैं।

(लेखिका मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता हैं)
wannabetherapist0@gmail.com

Gajendra Chordia
99288 93939

GURUDEV
ENTERPRISES
A Complete Beverages House

For Order: 88900 33939

Depot 1: Opp. CPS School, New Bhopalpura, Udaipur (Raj) 313 002
Depot 2: 70, Opp. Archi the Address, DPS School, Shobhagpura

gurudeventerprises.udr@gmail.com gajendrajain19@gmail.com

हम रहें न रहें देश रहना चाहिए

लाल बहादुर शास्त्री

अनूप श्रीवास्तव

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल बहादुर शास्त्री के बारे में सही कहा था कि 'मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अत्यंत ईमानदार, दृढ़ संकल्पों और महान परिश्रमी तथा ऊंचे आदर्शों में पूर्ण आस्थावान निरंतर सजग व्यक्ति का नाम है - लाल बहादुर शास्त्री।' लाल बहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्रित्व काल में असम, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश और कश्मीर में भाषा के प्रश्न को लेकर जो समस्याएं राष्ट्र के सामने आईं, शास्त्री जी ने बहुत ही सूझबूझ और दृढ़ता से उन सबका मुकाबला करके समाधान ढूंढ निकाला। इसी समय पाकिस्तान ने भारत पर हमला बोला। उन्होंने भारतीय जवानों के हौसले बुलंद करने के लिए देशवासियों को 'जय जवान-जय किसान' का नारा दिया। पाकिस्तान के आक्रमण से जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति पैदा हुई उसमें भी शास्त्री जी ने यह साबित कर दिया कि वह एक सुलझे हुए राजनीतिज्ञ हैं। युद्ध में विजय प्राप्त करने के पश्चात शास्त्री जी ने शांति की ओर कदम बढ़ाया। वह युद्ध और शांति के ही योद्धा थे। वे प्राय: कहा करते थे कि हम रहें या न रहें। लेकिन यह झंडा और देश रहना चाहिए। मुझे विश्वास है कि यह झंडा रहेगा, हम और आप रहें या न रहें, लेकिन भारत का सिर ऊंचा होगा। भारत दुनिया के देशों में एक बड़ा देश होगा और शायद भारत दुनिया को कुछ दे भी सके। लाल बहादुर शास्त्री के बारे में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था स्वतंत्रता के बाद देश में पहला ऐसा मानव रत्न सामने आया जिसने सारे राष्ट्र को आश्चर्यचकित कर दिया। उनकी सादगी और नम्रता ने मुझे सदा प्रफुल्लता प्रदान की है। उनका रहन-सहन एक सच्चे भारतीय का जीवन है। उन्होंने गांधीजी की शिक्षाओं को अपने जीवन में पूरी तरह उतारा है। देश के दूसरे राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन की शास्त्रीजी के बारे में विचारधारा थी कि लाल बहादुर शास्त्री भारतीय लोकतंत्र की दृढता के ज्वलंत उदाहरण थे, वह किसी की अन्यायपूर्ण बात को सहन नहीं करते थे और न ही लोकतंत्र को इस प्रकार चलने देने को तैयार थे, जिससे लोगों को गरीबी का जीवन बिताना पड़े। 2 अक्टूबर 1904 को उत्तरप्रदेश के मुगलसराय जिले के एक प्रतिष्ठित कायस्थ परिवार में जन्मे लाल बहादुर शास्त्री जब महज डेढ़ वर्ष के थे तभी उनके पिता शारदा प्रसाद श्रीवास्तव का निधन हो गया। लालन-पालन मां रामदुलारी देवी ने किया। अध्ययन के दिनों में शास्त्री जी बड़े नेताओं के भाषण सुनने चले जाते। एक दिन जब बनारस में लोकमान्य तिलक का भाषण हो रहा था, वे भी उत्साहपूर्वक वहां पहुंचे और उन्हें सुना। इसके बाद 1916 में बनारस विश्वविद्यालय के उद्घाटन के अवसर पर महात्मा गांधी ने जब अपने भाषण में ब्रिटिश सरकार को खरी-खोटी सुनाई तो शास्त्री जी गांधी जी की निर्भिकता से अत्यंत प्रभावित हुए, उनके कोमल मन पर गांधी जी के तेजोमय व्यक्तित्व का प्रभाव पड़ा। इसके बाद अध्ययन के दिनों में ही शास्त्री जी, महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। 8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित होते ही देशव्यापी आंदोलन छिड़ गया था। गांधी जी के 'करो या मरो' नारे पर अडिग बड़े नेताओं की गिरफ्तारी के बाद शास्त्री जी पुलिस से बचने के लिए इलाहाबाद स्टेशन पर न उतरकर नैनी स्टेशन पर ही उतर गए थे। उनके साथियों ने उन्हें प्लेटफार्म रेलिंग के पार उतार दिया। इसके बाद उन्होंने भूमिगत जीवन शुरू कर दिया। 1930 से 1945 ई. के दौरान 9 वर्ष का समय उनका जेल में ही गुजरा। जेल जीवन में ही उन्होंने विश्व के अनेक महापुरुषों के जीवन का अध्ययन किया। वस्तुत: जेल में ही उन्हें एक आत्मानुशासित, साहसी और तपस्वी व्यक्ति के रूप में निखरने का अवसर मिला। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अय्यूब खां के साथ ताशकंद (सोवियत संघ) में शांति समझौते के बाद 10 फरवरी 1966 की रात लाल बहादुर शास्त्री का हृदयगति रूकने से निधन हो गया। शास्त्री जी को मरणोपरांत 'भारत रत्न' के सर्वोच्च अलंकरण से विभूषित किया गया। वे आज पार्थिव रूप से हमारे बीच नहीं हैं, पर प्रत्येक देशभक्त भारतीय नर-नारी के हृदय में सदैव विराजमान रहेंगे। शास्त्रीजी उन बिरले लोगों में से थे, जिन्होंने देश की वेदी पर अपने सुख की बलि चढ़ा दी। उनके व्यक्तित्व में जो कुछ था देश का था। उन्होंने अपना तन-मन और धन सब कुछ देश के चरणों पर उत्सर्ग कर दिया था। वे सच्चे भारतीय थे। भारत की आत्मा उनके स्वरों में मुखरित होती थी।

राजनीतिक बिसात पर गोटियां बिछाने में माहिर हैं चिराग पासवान

नंदकिशोर शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपने को हुनमान बताने वाले चिराग पासवान भले ही फिल्मों में कुछ खास न कर पाए किंतु 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल (एकी) को झटका देने के बाद इस बार आम चुनाव में राजग के कोटे से अपनी पार्टी को लोकसभा की पांच सीटें हासिल करवा कर यह जता दिया है कि वह सियासत की बिसात पर गोटियां बिछाने के मामले में अपने पिता की राजनैतिक विरासत के असल वारिस हैं। इस साल संपन्न आम चुनाव में चिराग ने हाजीपुर सीट अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल के शिवचन्द्र राम को एक लाख 70 हजार से अधिक मतों से अंतर से पराजित करके तो जीती ही अन्य चार सीटों पर भी कब्जा किया। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के मिशन को लेकर आगे बढ़ रहे लोजपा (आर) अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत फिल्मों में अभिनय से की, किंतु इस क्षेत्र में वह कुछ खास नहीं कर पाए। बाद में वह पूर्णकालिक रूप से राजनीति में उतर आए और एक दशक के अपनी संसदीय जीवन में उन्हें उतार और चढ़ाव दोनों का सामना करना पड़ा। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान को राजनीति में प्रवेश करने में मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा और उन्हें आसानी से लांचिंग पैड मिल गया। चिराग का राजनीति में प्रवेश 2012 में हुआ जब उन्हें लोजपा में संसदीय बोर्ड का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वह पहली बार 2014 में बिहार के जमुई लोकसभा सीट से चुने गए और 2019 में भी वह इसी सीट से जीते। रामविलास पासवान के 2020 में निधन के बाद चिराग को पारिवारिक एवं राजनीतिक दोनों स्तर पर मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पार्टी के छह में से पांच सांसदों ने अलग गुट बना लिया, जिसका नेतृत्व उनके चाचा पशुपति पारस ने किया। लेकिन चिराग ने संयम के साथ परिपक्वता का भी प्रदर्शन किया और उसका फल उन्हें 2024 के संसदीय चुनाव में मिला जब भारतीय जनता पार्टी नीत गठबंधन (राजग) के तहत उन्हें बिहार में कुल पांच सीटें मिली। पिता की पारंपरिक सीट हाजीपुर से विजयी हुए चिराग सिनेमा की ग्लैमर भरी दुनिया से राजनीति में आए। चिराग 31 अक्टूबर 1982 को पैदा हुए। उन्होंने कम्प्यूटर साइंस की पढ़ाई की है। वे अभी केन्द्र में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री है।

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

Pavan Roat
Director
94141 69583

नए गैस कनेक्शन तुरन्त उपलब्ध है

जीहाँ!

HP GAS
SURYA GAS AGENCY

19 K.G. गैस सिलेण्डर मांगलिक कार्यक्रम एवं व्यवसायिक उपयोग हेतु सम्पर्क करें।

12, Vinayak Complex,
Opp. Mahasatiya
Dainik Bhaskar Road,
Ayad, Udaipur

प्रत्यूष का सितम्बर अंक मिला। पेरिस ओलम्पिक में भारत की उपलब्धियों को लेकर पृष्ठ 26–27 पर प्रकाशित दुर्गाशंकर मेनारिया का आलेख वस्तुस्थिति को दर्शाने वाला था। लेकिन दुर्भाग्य है कि करोड़ों रूपया खर्च कर बहुत बड़ा दल भेजने के बावजूद सिर्फ 6 पदक जीते गए। पदक जीतने वालों को बहुत–बहुत बधाई लेकिन खेलों में राजनैतिक हस्तक्षेप समाप्त कर उनका प्रबंधन खेल से जुड़ी अनुभवी हस्तियों को ही दिया जाना चाहिए। अफसोस की भारत पिछले टोक्यों ओलम्पिक की सिढ़ी से भी फिसल गया।

गोविंद वासवानी, डायरेक्टर, भगवती फैशंस प्रा. लि., जयपुर

सितम्बर अंक में पर्युषण पर्व को लेकर प्रकाशित डॉ. लोकेश मुनि का आलेख 'मन की गांठों को खोलने का आध्यात्मिक प्रयोग' वास्तव में आत्मसात करने वाला है। हमें अपने आचार–विचार, रहन–सहन, खान–पान आदि पर आत्म विश्लेषण कर अपने मनुष्य भव में दायित्व की पहचान करनी चाहिए। संयम और त्याग के बिना जीवन का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता।

दिलीप मूंदड़ा, सीएमडी, मूंदड़ा डवलपर्स एण्ड बिल्डर्स

'प्रत्यूष' के सितम्बर अंक का आवरण पलटते ही 'कट्टरता की चपेट में बांग्लादेश' शीर्षक से सम्पादकीय पढ़ा। निश्चय ही आज यह सोचने की जरूरत है, जिस देश को हमने अन्याय, प्रताड़ना और शोषण से उबरने के लिए उसके मुक्ति संग्राम में सहयोग कर खड़ा किया वही देश प्रवासी भारतीयों के साथ जोर–जुल्म और जबरदस्ती पर उतर आया है। भारत सरकार को वहां के नव घोषित हुकमरानों से टूक बात करनी चाहिए कि इस तरह के व्यवहार के परिणाम उसके लिए ही घातक हो सकते हैं।

जितेन्द्र पटेल, डायरेक्टर, पटेल फॉस्केम

'प्रत्यूष' पत्रिका नियमित प्राप्त हो रही है। सितम्बर अंक में हृदय रोग व मधुमेह रोग को लेकर विशेष आलेख थे। दिल की बीमारियां और मधुमेह रोग आज युवाओं को भी अपनी गिरफ्त में जकड़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी जीवन शैली व खान–पान के साथ ही व्यायाम पर भी ध्यान दें।

सुथनकर, सीएमडी, रामा फास्फेट

बुद्धि परीक्षण

1. पहला टैलिस्कोप कब और किसने बनाया ?
2. सबसे पहले किसने बताया कि चांद पर पहाड़ एवं बड़े–बड़े गड्ढे हैं ?
3. 1825 में जॉर्ज स्टीफन्सन ने पहला स्टीम इंजन बनाया। उसका नाम क्या था ?
4. किस अंग्रेज कवि को पोएट्स–पोएट (कवियों का कवि) कहा जाता है ?
5. एंसिफेलाइटिस नामक बीमारी शरीर के किस भाग में संक्रमण का नतीजा है ?
6. अमरीका स्थित किस विशाल जल प्रपात का हिस्सा हॉर्स–शू–फॉल्स या कैनेडियन फॉल्स भी है ?
7. सॉफ्टबॉल नामक खेल के प्रवर्तक कौन थे ?
8. सॉफ्टबॉल को पहले क्या कहा जाता था ?
9. जूडो प्रतियोगिता में शियाइजो क्या होता है ?
10. एक स्टैंडर्ड गोल्फ कोर्स में कितने छेद होते हैं ?

(उत्तर अन्य पृष्ठ पर)

YOURS Ashoka BAKERY

Aloo Paties	25/-
Paneer Paties	40/-
Veg Sandwich	30/-
Grill Veg Sandwich	70/-
Grill Paneer Sandwich	70/-
Pizza Mix Veg	140/-
Veg Burger	50/-
Cheese Burger	70/-
Veg Maggi	70/-
Cold Coffee	90/-
Chai	10/-
Hot Coffee	60/-
Truffle Passtry	80/-
Red Welvate Passtry	70/-
Pinapale Passtry	20/-
Jamrole	15/-

MINI CAKE @ 199/- Only

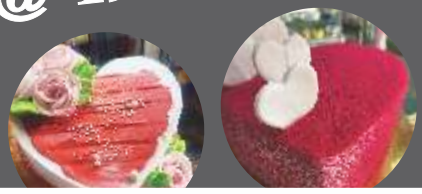

Corporate Snackes Packets & Kachori & Samosa Also Available On ORDER

Corporate Cake Discount upto 15%

Ph. 9829043208
Near ZUDIO Showroom,
100 Ft Road Sobhagpura
Main Branch : Shakti Nagar Main Road Corner

भविष्य को उड़ान देती कानून की राहें

आर्थिक गतिविधियों के विकास और डिजिटल के इस दौर में वकालत का क्षेत्र बढ़ता ही जा रहा है। नतीजतन निजी क्षेत्र में काम के कई नए अवसर सामने आए हैं।

श्रुति गोयल

आज कोई भी क्षेत्र कानून से अछूता नहीं है। सामान्य जीवन की गतिविधियों से लेकर औद्योगिक, साइबर, प्रशासनिक जैसी हर गतिविधि में कानून के जानकारों की आवश्यकता पड़ती है और यह एक महत्वपूर्ण पक्ष है, जिसकी जानकारी योजनाओं के स्तर पर भी होना जरूरी होता है। नए दौर में कानून के जानकारों के लिए कॉरपोरेट वर्क कल्चर भी सामने आया है। इसीलिए युवाओं के लिए यह एक स्थायित्व और विकास की संभावनाओं से भरा करियर साबित हो सकता है। कानून के पाठ्यक्रमों में क्रिमिनल लॉ, कॉरपोरेट लॉ, बौद्धिक सम्पदा तथा पेटेंट कानून, साइबर लॉ, फैमिली लॉ, बैंकिंग लॉ, टैक्स लॉ आदि एक बड़ा हिस्सा होते हैं। इसमें प्रवेश करने के लिए एलएलबी की डिग्री मिलने के बाद वकालत करने के लिए स्टेट बार कॉउन्सिल में एनरोल कराने की आवश्यकता होती है। सीनियर करियर काउंसलर डॉ. संजीब आचार्य कहते हैं, 'यह एक हाई प्रोफाइल और सुपर स्पेशियलाइज्ड फील्ड है। हर क्षेत्र में शामिल रहने की वजह से हम इसे न्यू इमर्जिंग फील्ड भी कह सकते हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सरकारी व गैर सरकारी दोनों सेक्टर में अच्छे मौके हैं। यह कठिन जॉब है, पर हाई पेइंग करियर है। इसमें पढ़ने गहरे अध्ययन के साथ, प्रेजेंटेशन स्किल्स, संवाद की कुशलता बहुत काम आती है।'

प्रवेश परीक्षा एवं कोर्स

भारत में लॉ कोर्सेज में प्रवेश लेने के लिए छात्र को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इनमें से क्लैट (सीएलएटी), एआईएलईटी, एलसैट इंडिया (एलएसएटी) प्रमुख हैं।

बैचलर डिग्री कोर्सेज : बैचलर ऑफ लॉ (एलएलबी) कोर्स के दो विकल्प उपलब्ध हैं। 3 वर्ष की अवधि का एलएलबी कोर्स, ग्रेजुएशन डिग्री के बाद कर सकते हैं। अंडरग्रेजुएट छात्रों के लिए 5 वर्ष की अवधि का इंटीग्रेटेड कोर्स उपलब्ध है। इंटीग्रेटेड कोर्स में बीए, बीबीए जैसे

ग्रेजुएट प्रोग्राम्स एलएलबी डिग्री के साथ शामिल मिलेंगे।

मास्टर डिग्री कोर्सेज : मास्टर ऑफ लॉ यानी एलएलएम एक वर्ष या अधिक वर्षों की अवधि का हो सकता है। इसके लिए मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से कम से कम 50प्रतिशत अंकों के साथ एलएलबी की डिग्री होनी चाहिए। लॉ के कई डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं।

कहां मिलेगा काम

सरकारी मौके : बार कॉउंसिल की परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद आप सरकार और उसके विभिन्न विभागों के लिए मुकदमे लड़ सकते हैं।

लॉ करने के बाद आप बतौर एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में खुद की प्रैक्टिस कर सकते हैं, शुरूआती दौर में किसी सीनियर एडवोकेट के अधीन प्रैक्टिस कर सकते हैं। अपनी रूचि के अनुसार आप क्षेत्र चुन सकते हैं। इनमें सिविल, टैक्स, क्रिमिनल, कॉरपोरेट मामले आदि शामिल हैं।

इसके साथ ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार समय-समय पर जुडिशियल सर्विस और सिविल सर्विस की परीक्षा आयोजित करती हैं, इसमें सफल होकर आप कोर्ट में जज तथा अन्य ऊंचे पदों पर कार्य कर सकते हैं।

जुडिशियल क्लर्कशिप या लॉ क्लर्क, जज के सहायक के तौर पर कार्य करते हैं, ये जज को विधि संबंधी या केस से सम्बंधित अनुसंधान में सहायक का कार्य करते हैं। जुडिशल क्लर्कशिप की परीक्षा पास करने के बाद आप इस पद पर सेवा कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में : बड़े औद्योगिक घरानों और लॉ फर्म्स में व्यावसायिक समस्याओं और अन्य न्यायिक समाधान के लिए लीगल एनालिस्ट की आवश्यकता होती है। एक लीगल एनालिस्ट के वार्षिक पैकेज की शुरूआत प्रति वर्ष 6 से 10 लाख रूपये वेतन से होती है।

स्टार्ट अप्स और सोशल वर्क से संबंधित संगठनों में भी कानून के जानकारों की आवश्यकता होती है। शिक्षण में भी जा सकते हैं। इसके अलावा विदेश से लॉ की डिग्री आपके लिए वैश्विक अवसर उपलब्ध कराती है।

लीगल जर्नलिस्ट : मीडिया हाउसेस में लीगल, क्राइम व कोर्ट की खबरें कवर करने के लिए भी लॉ के छात्रों की मांग है।

लीगल एडवाइजर : बहुत से उद्योगपति, कंपनियां, नेता तथा संस्थाएं न्यायिक अड़चनों के समाधान हेतु लीगल एडवाइजर नियुक्त करते हैं।

प्रत्यूष

'गब्बर' अलविदा

अमित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अगस्त में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से सन्यास ले लिया। क्रिकेट के मैदान पर 'गब्बर' और मि. आईसीसी के नाम से मशहूर इस खिलाड़ी ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच वनडे फॉर्मेट में दिसम्बर 2022 में खेला था, इसके बाद वह लगातार टीम से बाहर रहे। हालांकि धवन आईपीएल 2025 में खेलते हुए नजर आ सकते हैं क्योंकि उन्होंने आईपीएल से सन्यास की कोई बात नहीं कही है। शिखर 20 सितम्बर से शुरू हुई लीजैंड लीग क्रिकेट में खेल रहे हैं। शिखर ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी-20 मुकाबले खेले, जिसमें क्रमश: 2315, 6793 और1759 रन बनाए। उनके नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 24 शतक दर्ज हैं। धवन ने 17 सेंचुरी वनडे में तो 7 टेस्ट में लगाए। टी20 में भारत के लिए उनके नाम कोई शतक दर्ज नहीं हैं। उन्होंने आईसीसी इवेंट में भारत के लिए कई महत्वपूर्ण पारियां खेली है। वह 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के प्लेयर ऑफ द सीरिज थे। जब भारत इंग्लैंड को हराकर चैंपियन बना था।

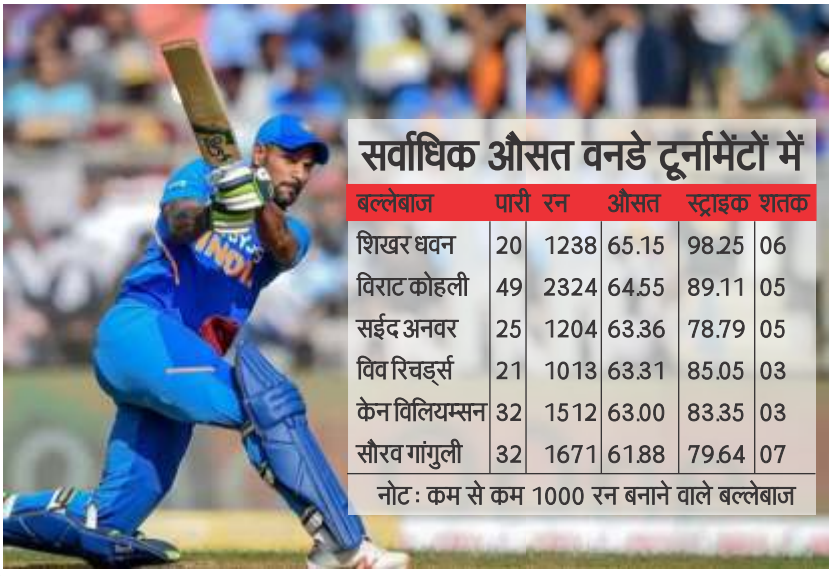

सर्वाधिक औसत वनडे टूर्नामेंटों में

बल्लेबाज	पारी	रन	औसत	स्ट्राइक	शतक
शिखर धवन	20	1238	65.15	98.25	06
विराट कोहली	49	2324	64.55	89.11	05
सईद अनवर	25	1204	63.36	78.79	05
विव रिचर्ड्स	21	1013	63.31	85.05	03
केन विलियम्सन	32	1512	63.00	83.35	03
सौरव गांगुली	32	1671	61.88	79.64	07

नोट : कम से कम 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

2010 में वनडे, 2013 में टेस्ट टीम में जगह मिली

शिखर ने 2011 में श्रीलंका के खिलाफ टी 20 में डेब्यू किया था। टेस्ट टीम में उन्हें 2013 में जगह मिली। 34 टेस्ट में 40.16 के औसत से धवन ने 2315 रन बनए। 167 वनडे मैंचों में 44.11 के औसत से 7436 रन बनाए। वहीं 68 टी20 मैचों में उन्होंने 27.92 के औसत से 1759 रन बनाए हैं।

2024 में पंजाब किंग्स से खेले थे धवन

शिखर आईपीएल में पहले सीजन से जुड़े हैं। पहले सीजन 2008 में वे दिल्ली के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहला मैचा खेलने उतरे थे। आखिरी मैच 2024 में पंजाब किंग्स की ओर से सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला था। इस सीजन में वे इंजरी के कारण कई मैच नहीं खेल पाए। आईपीएल में कुल 22 मैच खेले, जिनमें 6793 रन बनाए। इसमें 2 शतक व 51 अर्द्धशतक शामिल हैं।

2012 में शादी, 2023 में तलाक

शिखर धवन ने 2012 में अपने से 10 साल बड़ी तलाकशुदा आयशा मुखर्जी से शादी की

थी। आयशा की पहले से ही दो बेटियां थी। दोनों की फेसबुक पर दोस्ती हुई थी, जो प्यार में बदल गई। 2014 में उनका बेटा जोरावर हुआ। 2021 में शिखर और आयशा अलग हो गए।

विराट कोहली-रिचर्ड्स भी छूट गए पीछे

आइसीसी के 50 ओवर के टूर्नामेंट (वनडे विश्व कप व चैपिंयस ट्रॉफी) के रेकॉर्ड देखें तो विराट कोहली और विव रिचर्ड्स जैसे दिग्गज भी उनसे काफी पीछे छूट गए। धवन ने आइसीसी के वनडे टूर्नामेंट में 6515 के बेहतरीन औसत से रन बनाए हैं, इस मामले में वे शीर्ष पर बने हुए हैं। इन टूर्नामेंटों में खेली 20 पारियों में धवन ने छह शतक लगाए हैं, जबकि 10 बार 50 रन से अधिक का स्कोर किया।

प्रारूप	मैच	रन	शतक	अर्धशतक
टेस्ट	34	2315	7	5
वनडे	167	6793	17	39
टी20	68	1759	0	11
आईपीएल	222	6769	2	51

.....पन्ने पलटना जरूरी

आज मैं ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं, जहां से पीछे देखने पर सिर्फ यादें ही नजर आती हैं और आगे देखने पर पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से सिर्फ एक ही मंजिल थी। भारत के लिए खेलना और वह हुआ इसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रगुजार हूं। वो कहते हैं ना कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है, बस मैं वही करने जा रहा हूं। मैं घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास की घोषणा करता हूं। मेरे दिल में सुकून है कि मैं अपने देश के लिए बहुत लंबा खेला।

–शिखर धवन

चुनौती

जापान : घटती आबादी, लाखों मकान वीरान

जापान में इस समय खाली पड़े 90 लाख मकान बड़ी समस्या है। जन्मदर कम होने और बुजुर्ग होती आबादी सरकार के लिए चुनौती है। यहां खाली मकानों की संख्या 90 लाख से भी अधिक है जो न्यूयार्क शहर की आबादी से भी ज्यादा है। विशेषज्ञों का कहना कि है कि जापान की घटती आबादी इसकी वजह है।

पॉपुलेशन पिरामिड में बदलाव: जापान का पॉपुलेशन पिरामिड भी बदल गया है। कांडा यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के लेक्चरर जेफ्री हॉल ने बताया कि खाली मकानों के पीछे प्रमुख वजह देश की सिकुड़ती आबादी है। 2022 की जनगणना के अनुसार जापान की आबादी करीब 12 करोड़ है। इसकी आबादी पहले की तुलना में लगभग आठ लाख कम हो गई है। इसके अलावा मकान खाली होने का एक कारण यहां खाली जमीन की तुलना में बने हुए मकानों पर कम टैक्स लगता है। इसलिए लोग अपनी खाली पड़ी जमीन पर मकान बना लेते हैं। जापान में ये खाली मकान शहरों से अधिक गांवों में हैं क्योंकि अब वहां लोग रिटायर होने के बाद गांव वापस जाने के बजाय अपने रिटायरमेंट होम जाना पसंद करते हैं। हालांकि जापानी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है और लंबे समय से खाली मकानों के मालिकों से कह रही है कि यात तो घरों को रेनोवट कराएं या उसे जमींदोज कर दें।

टोक्यो के मकान भी सूने: राजधानी टोक्यो के कुल मकानों में 14 प्रतिशत मकान खाली पड़े हैं। जापान में लगभग हर आठ मकानों में से एक मकान खाली है। खाली पड़े मकान अकीया के नाम जाने जाते हैं, शुरुआत में ये ग्रामीण इलाकों में थे। लेकिन अब ऐसे मकान टोक्यो और क्योटो में भी हैं।

प्रेमलता नागदा

पहला दिन

दही वाले आलू: आलू उबाल व छीलकर घनाकार में काट लें। अब इसमें दही मिलाकर काली मिर्च और स्वादानुसार सेंधा नमक मिलाएं, ऊपर से हरा धनिया डालकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें।

रागीपूरी : 350 ग्राम, रागी का आटा: 100 ग्राम, आटा: 50 ग्राम, बारीक आटा और नमक मिलाकर गूंध लें। अब उसके 10 बराबर हिस्से करते हुए पूरी के आकार में बेल लें। इन्हें कड़ाही में सुनहरी और कुरकुरे होने तक घी या तेल में तलें। रागी पूरी तैयार है।

दूसरा दिन

बादाम गोभी: एक हरी गोभी काटकर धो लें। अब इसे फलाहारी नमक वाले खौलते पानी में दो मिनट के लिए उबालें। इसके बाद निकालकर एकदम ठंडे पानी में डाल दें। गोभी का पूरा पानी निकाल लें। अब इसमें नमक, काली मिर्च मिलाएं। ऊपर से भुने हुए बादाम के छोटे-छोटे टुकड़े बुरक दें और किसा हुआ 50 ग्राम पनीर भी डाल दें। इसके ऊपर ऑलिव ऑइल और 2 बड़ा चम्मच शहद डालें।

कीवी स्मूदी: 2 किवी धोकर छीलें और छोटे-छोटे टुकड़े करें। सजावट के एक-दो टुकड़े बचा लें। ब्लेंडर में कीवी, 50 ग्राम मिश्री, 200 मिलीग्राम दूध और एक स्कूप वनिला आइस्क्रीम डालकर चलाएं। कांच के गिलास में तैयार स्मूदी निकालें और फ्रिज में ठंडा करके खाएं।

तीसरा दिन

साबूदाना टिक्की: पानी में साबूदानें भिगोकर रखें। आलू उबालकर छील लें। इसमें साबूदाने, हरी मिर्च, खड़ा धनिया और काला नमक मिलाकर मैश कर लें। अब इसके 8-10 हिस्से कर टिक्की बना लें। सुनहरा होने तक तेल में तले। इसे दही आदि के साथ सर्व करें।

मखाना रायता: एक पैन में लगभग 20 ग्राम मखाने हल्के घी या तेल में सेक लें और ठंडे होने दें। तब तक एक कटोरी में 200 ग्राम दही फेंट लें और इसमें 50 ग्राम मिश्री मिलाकर फिर से फेंटे। ऊपर से इलाचयी के दानें और गुलाबजल की कुछ बूंदें मिला दें। अब दही में मखाने डालकर 30 मिनट के लिए रख दें। ऊपर से जीरा पाउडर बुरककर ठंडा होने पर परोसें।

सात्विक भोजन का प्रण नवरात्र के दिनों में सामान्य है। इसके लिए जरूरी है कि स्वाद और विविधता से भरपूर आहार चुनें, जो सेहत के साथ ऊर्जा भी प्रदान करे। व्रत के दिनों में शरीर को कैलोरी के साथ पोषण मिलना भी आवश्यक है।

चौथा दिन

वेजिटेबल सलाद: आवश्यकतानुसार पत्तागोभी, मशरूम, टमाटर, पनीर, गाजर, ककड़ी धोकर काट लें और फ्रिज में रख दें। ठंडी होने के बाद निकाल लें और ऊपर से अजवाइन की पत्तियां थोड़ा ऑलिव ऑइल एक चुटकी शक्कर, नींबू का रस मिलाकर परोसें।

लौकी के लड्डे: आधा किलो किसी लौकी कुकर में पकाएं। फिर पानी निथारें। कड़ाही में थोड़ा घी, 100 ग्राम मावा और 200 ग्राम शक्कर मिलाकर सेकें। इसमें लौकी व नारियल का चूरा मिलाएं। ऊपर से थोड़े से तरबूज के सिके बीज डालें और इसके लड्डू बनाएं। किशमिश सजाकर परोसें।

पांचवां दिन

बाजरा इडली: 2 कप बाजारा, 1 कप धुली मूंग दाल, आधा कप दही, 2 ग्राम मेथी दाना, थोड़ा पानी और नमक मिलकर ग्राइंडर में रवा जैसा दरदरा पीस लें। अब खमीर उड़ने तक इसे छोड़ दें। जैसे ही खमीर उठने लगे इसे सामान्य इडली की तरह कुकर में पका लें। इसे नारियल चटनी के साथ परोस सकते हैं।

छेना पायस: 1 लीटर दूध एक तिहाई होने तक उबालें। इसमें केसर और शक्कर मिलाकर पकाएं। 100 ग्राम रसगुल्लों को दबाकर रस निकालने के बाद गर्म पानी में डालें। कुछ देर बाद उन्हें पानी से निकालकर फिर से उनका पानी दबाकर निकालें और दूध में डाल दें। थोड़ी देर बाद गैस बंद कर दें और इसमें ऊपर से 4-5 चुटकी केसर डाल दें। फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। फिर परोसें।

छठा दिन

फलाहारी भेल: 25 ग्राम केले के चिप्स, 25 ग्राम आलू लच्छा, 10 ग्राम तेल में तले हुए मखाने, 50 ग्राम तली मूंगफली, सेंधा नमक, काली मिर्च अच्छी तरह मिलाएं। भेल तैयार हैं, ऊपर से नींबू का रस भी डाल सकते हैं।

रागी हलवा: 100 ग्राम रागी का आटा लें और उसमें 100 ग्राम घी मिलाकर भूनें। खुशबू आने तक आटे को सेकते रहें। इसके बाद इसमें पानी मिलाएं। इसे धीमी आंच पर पकाएं और 75 ग्राम शक्कर मिला दें। अब इसे फिर 5-10 मिनट पकने दें। गर्मागर्म हलवा तैयार है। किशमिश डालकर सर्व करें।

शक्ति से भरपूर आहार

सातवां दिन

बनाना कटलेट: आवश्यकतानुसार केले काटकर फलाहारी नमक वाले पानी में हलके उबालें। अब 100 ग्राम उबले आलू, उबले केले मैश करें व इसमें कटी हरी मिर्च, नमक और काली मिर्च मिला लें। इस मिश्रण की टिक्की बना लें। टिक्की पर सफेद तिल डाल सकते हैं। पैन में थोड़ा घी या तेल डालकर इन्हें सुनहरा होने तक तलें। चटनी के साथ परोसें।

पिस्ता और समां चावल: 75 ग्राम समां के चावल धोएं और घी में भुनकर पानी डालें व हल्के सुनहरे होने तक पकाएं। फिर धीमी आंच पर इसमें 150 ग्राम गर्म दूध, 150 ग्राम शक्कर मिलाएं। इसमें एक चुटकी जायफल पाउडर, पिस्ता मिलाएं और एक तश्तरी में निकाल लें।

आठवां दिन

सब्जी और समां के पुलाव: कुकर में घी डालकर जीरा डालें। इसमें 200 ग्राम धुले समां के चावल मिलाकर चलाएं। गाजर, शिमला मिर्च, आलू-टमाटर काटकर अच्छी तरह मिलाकर चलाएं। चावल के अनुपात में दोगुना पानी मिलाएं और केसर और नमक मिला लें फिर पुलाव की तरह कुकर में पकने दें। इसके बाद तला 50 ग्राम पनीर मिलाएं, ऊपर से हरा धनिया, मिर्च मिलाकर चलाएं। पुलाव बनकर तैयार है। सूखे मेवे डालकर सर्व करें।

शकरकंद फिंगर चिप्स: आधा किलो शकरकंद उबालकर छीलें व फ्रेंच फ्राइस की तरह काटें। इन्हें घी में हल्का तलें। नमक और नींबू रस डालकर चटनी के साथ परोसें।

नवां दिन

कुट्टू पनीर कचौरी: 200 ग्राम कुट्टू का आटा थोड़ा मुलायम गूंध लें। इसमें ऊपर से 100 ग्राम किसा हुआ पनीर, नमक, काली मिर्च, धनिया पत्ती को अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण की कचौरियां बेल लें। अब इसे तेल में सुनहरी होने तक तल लें। इसे दही के साथ परोसें।

केसरी श्रीखंड: आधा किलो मीठा दही पतले कपड़े में लें और उसका पानी निथार लें। अब इसमें पिसी हुई शक्कर मिलाएं और कपड़े से दही छानें। जो दही छनकर नीचे आएगा। वह श्रीखंड की तरह मुलायम होगा। इसमें ड्रायफ्रूट और 8-10 केसर के रेशे मिलाकर सर्व करें।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

पारिवारिक जीवन में खुशियां आपके काम में और तेजी लाएगी, विरोधी आपको चुनौती देने का प्रयास करेंगे। व्यर्थ बातों की उपेक्षा करें, उदर रोग से सामना करना पड़ सकता है। स्थिर आय के उपक्रम लाभदायक रहेंगे, कार्य क्षेत्र में स्थिरता रहेगी।

वृषभ

वाणी में मिठास रखें। खुद को सही साबित करने की जिद न करें। इस माह समय और श्रम की बर्बादी संभव है, नए परिचितों से लाभ होगा। माह का उत्तरार्द्ध रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाएगा, आकस्मिक लाभ के योग हैं, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन

पिछले कड़वे अनुभवों से कुछ नया सीखें, दृढ़ इच्छाशक्ति से बाधाएं दूर रहेंगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों की उपेक्षा न करें। धार्मिक आयोजनों में सहभागिता रहेगी, संतान पक्ष से प्रसन्नता, स्वास्थ्य पक्ष उत्तम रहेगा।

कर्क

गोचर शुभप्रद है, प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा, और अपनी कठिनाइयों को दूर कर पाएंगे। इच्छित योजनाओं को अभी शुरू करना ठीक होगा। पुरुषार्थ पर विशेष बल देवें, माह का उत्तरार्द्ध कार्य क्षेत्र में आपकी चमक पैदा करेगा। स्वास्थ्य सामान्य, आय उत्तम रहेगी।

सिंह

अपने प्रयासों व परिवार के सामंजस्य से सफलता मिलेगी, कोई भी कार्य करने से पहले उसके परिणामों के बारे में ठीक से सोच लें, सही निवेश को प्राथमिकता देवें। माह के पूर्वार्द्ध में आत्मविश्वास की कमी महसूस करेंगे। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आय पक्ष से संतुष्टि रहेगी, धर्म क्षेत्र में खर्च संभव।

कन्या

अपनी व्यथा को दूसरे से साझा न करें। खर्चों में वृद्धि आर्थिक तंगी का कारण बनेगी, छोटी–छोटी बातों पर विवाद में न पड़े, अधिक धन कमाने के लिए अनुचित रास्ता न चुने। किंकर्तव्य मूढ़ स्थिति से पार पाना होगा, वरिष्ठजनों के मार्ग दर्शन का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

तुला

क्षमता पर भरोसा रखें, सफल होंगे। विभिन्न प्रकार की जिम्मेदारियों को स्वीकार करना होगा। 'सुने सबकी करें मन की' इस कहावत का पालन करें। माह के प्रारंभ में अपनी योजनाओं को मूर्त रूप देंगे। आय पक्ष बाधित रहेगा। जीवन साथी के सहयोग से आगे बढ़ें, रोग एवं शत्रु से सावधान रहें।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 अक्टूबर	आश्विन कृष्ण चर्तुदशी	रक्तदान दिवस / वरिष्ठ नागरिक दिवस
2 अक्टूबर	आश्विन कृष्ण अमावस्या	महात्मा गांधी / लाल बहादुर जयंती
3 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल प्रथमा	नवरात्र प्रारंभ / महाराजा अग्रसेन जयंती
4 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल द्वितीया	राष्ट्रीय अखंडता दिवस
8 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल पंचमी	वायुसेना दिवस
10 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल सप्तमी	राष्ट्रीय डाक दिवस
11 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल अष्टमी	दुर्गाष्टमी / शास्त्रादि पूजा
12 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल नवमी	नवरात्रौत्थापन / विजयादशमी
16 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल चर्तुदशी	शरद पूर्णिमा
20 अक्टूबर	कार्तिक कृष्ण तृतीया व चतुर्थी	करवा चौथ / राष्ट्रीय एकता दिवस
21 अक्टूबर	कार्तिक कृष्ण पंचमी	आजाद हिंद फौज स्थापना दिवस
24 अक्टूबर	कार्तिक कृष्ण अष्टमी	संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस
29 अक्टूबर	कार्तिक कृष्ण द्वादशी	धन तेरस / धन्वन्तरी जयंती
31 अक्टूबर	कार्तिक कृष्ण चर्तुदशी	रूप चौदस / सरदार पटेल जयंती / इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि

वृश्चिक

यह आपके लिए प्रगति का माह है, इच्छानुसार कार्य पूर्ण होंगे, अवसर को हथियाने के लिए नियमों और कानून का सख्ती से पालन करना होगा। विरोधियों को थोड़ासा भी कम नहीं आंके, पिता के स्वास्थ्य में गिरावट संभव, भाई–बहिनों का अच्छा सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

धनु

शक्ति का प्रयोग सही जगह करें। योजनाओं को गुप्त रखे। विरोधियों को उनका पता भी न चले, माह के अंत में सफलता मिलेगी, परिवार में खुशी के पल बीतेंगे, आय पक्ष प्रभावित, सुदूर यात्रा के योग, कार्य क्षेत्र में मानसिक तनाव, स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर

कार्य क्षेत्र में यदि आप किसी योजना का पालन कर रहे हैं तो समय सीमा का मूल्य समझें। आपके व्यवहार के कारण दूसरों को कोई गलत संदेश नहीं जाना चाहिए। इसका ध्यान रखें। विलम्बित कार्य अब पूरे होने लगेंगे। भाग्य का भी साथ मिलेगा, विरोधी परास्त होंगे। अगर कोई लम्बी बीमारी है तो राहत मिलेगी।

कुम्भ

खुद को सही साबित करने की कोशिश में दूसरों की भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं। सार्वजनिक स्थानों पर अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। माह का पूर्वार्द्ध शुभ संकेत देगा, कार्य क्षेत्र में नयापन होगा। संतान पक्ष से चिंता, शारीरिक व्याधि से परेशानी, आय पक्ष से संतुष्टि, मित्रों का सहयोग रहेगा।

मीन

अपना लक्ष्य तय करें और उसके अनुसार आगे बढ़ें, सफलता मिलेगी। अपनी योजना को सक्रिय करने का यही उचित समय है, यात्रा में खान–पान के नियमों का पालन करें, अपने से श्रेष्ठिजनों का सहयोग अवश्य लेवें। माह का पूर्वार्द्ध अनुकूलता लिए रहेगा। स्वास्थ्य पक्ष कमजोर रहेगा।

प्रत्यूष समाचार

नारायण सेवा संस्थान : दिव्यांग व निर्धन 51 बेटियों का विवाह

उदयपुर। जनम-जनमों के लिए दो तन एक प्राण के साथ रिश्तों की डोर बंधी तो मन मयूर नाच उठा। नारायण सेवा संस्थान के बड़ी ग्राम स्थित परिसर में 31 अगस्त व 1 सितम्बर को 42वें नि:शुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह के इन यादगार लम्हों के साक्षी बने अपनों के दुलार ने 51 जोड़ों को दिव्यांगता और गरीबी के दंश को भुला दिया। देशभर से बड़ी संख्या में आए अतिथियों व धर्म के माता-पिताओं ने इन जोड़ों को प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम थीम पर नवविवाहितों को तुलसी, अशोक, बिल्व और पीपल के पौधे भेंट करते हुए दाम्पत्य जीवन हरा भरा रहने का आशीर्वाद दिया। इस खास मौके पर नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव, सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल व विशिष्ट अतिथियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणपति की छवि के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर विवाह समारोह की पारम्परिक रस्मों की शुरुआत की। इससे पूर्व परिसर में वर-वधू की गाजे-बाजे के साथ बिंदोली निकाली गई। हाड़ा सभागार के द्वार पर दूल्हों ने नीम की डाली से तोरण रस्म का निर्वाह किया। इसके बाद सजे-धजे डोम में वरमाला एवं आशीर्वाद समारोह संपन्न हुआ। वरमाला के बाद 51 वेदियों पर नियुक्त आचार्यों ने मुख्य आचार्य के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के साथ पवित्र अग्नि के सात फेरों की रस्म अदायगी के साथ पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। विदाई के वक्त सभी की आंखे नम थी दुल्हनों को डोली में बिठाकर उनके विश्राम स्थल तक पहुंचाया गया। जहां संस्थान के वाहनों से दूल्हा-दुल्हन ने अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया। जोड़ों को गृहस्थी का आवश्यक सामान बर्तन, सेट, गैस -चूल्हा, संदूक, टेबल-कुर्सी, बिस्तर, घड़ी आदि भेंट किया गया।

जयदीप शिक्षण संस्थान में इंटरेक्टिव सत्र

उदयपुर। जयदीप सीनियर सैकण्डरी स्कूल को गत दिनों यूके हिंदी समिति के तहत भारत आने वाले यूनाइटेड किंगडम के छात्रों के लिए एक सत्र की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला। संयोजक निहारिका कुमावत ने बताया कि यह एक अद्भुत अनुभव था क्योंकि दोनों देशों के छात्र यूके और भारत के बीच सांस्कृतिक अंतर के बारे में अंतर्दृष्टि साझा करते हुए एक समृद्ध चर्चा में शामिल हुए। सत्र ने दोनों देशों में शिक्षण विधियों की तुलना और अंतर करने का अवसर भी प्रदान किया, जिससे वैश्विक शिक्षा की गहरी समझ को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थापक डॉ. देवेन्द्र कुमावत ने कहा कि इस तरह के आदान-प्रदान न केवल हमारे क्षितिज को व्यापक बनाते हैं बल्कि ज्ञान और आपसी सम्मान के माध्यम से राष्ट्रों के बीच संबंधों को भी मजबूत करते हैं।

डॉ. प्रशांत बने सांई तिरूपति विवि में प्रेसिडेंट

उदयपुर। सांई तिरूपति विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल द्वारा डॉ. प्रशांत नाहर को विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट (वाइस चांसलर) के पद पर नियुक्त किया गया है। डॉ. नाहर पूर्व में पेसिफिक डेंटल कॉलेज उदयपुर में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे।

पुरावतों का इतिहास का विमोचन

उदयपुर। प्रताप शोध प्रतिष्ठान, भूपाल नोबल्स संस्थान की ओर से प्रकाशित पुरावतों का इतिहास पुस्तक का गत दिनों विमोचन हुआ। प्रताप शोध प्रतिष्ठान व पुरावत इतिहास संकलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेवाड़ के पूर्व राजघराने के सदस्य एवं विधायक विश्वराजसिंह मेवाड़ रहे। अध्यक्षता प्रो. शिव सिंह कच्छेर ने की। इससे पहले शोभायात्रा निकाली गई। सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष नारायणसिंह सालमपुरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। मंत्री अजीत सिंह मंगरोप ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर विश्वराज सिंह ने कहा कि यह इतिहास पुरखों के त्याग को ही नहीं दर्शाता, बल्कि पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कारों को भी जीवंत रखता है। विद्या प्रचारिणी सभा के मंत्री डॉ. महेन्द्रसिंह, कर्नल प्रो. शिवसिंह कच्छेर, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, शक्तिसिंह कारोई, राजेन्द्रसिंह, डॉ. भूपेन्द्रसिंह राठौड़ ने भी विचार रखे। इस अवसर पर 22 भामाशाहों का सम्मान भी किया गया।

डॉ. चुघ आईएमए उपाध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के हाल ही में हुए चुनावों में डॉ. सुनील चुघ निर्विरोध उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। डॉ. चुघ पिछले बीस वर्षों से आईएमए में विभिन्न पदों पर रहे।

माहेश्वरी पावर कार्ड लांच, पांच विभूतियों को किया सम्मानित

उदयपुर। नगर माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से जन्माष्टमी पर माहेश्वरी पावर कार्ड लांच किया गया। कार्ड कॉर्डिनेटर मयंक दिलीप मूंदड़ा व पुनीत हेड़ा ने बताया कि माहेश्वरी पावर कार्ड का अनावरण समारोह गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में हुआ। संगठन के सचिव अर्चित पलोड़ ने बताया कि समारोह में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल सोनी, काव्यांजलि डेंटल क्लीनिक के निदेशक अल्पा-राजकुमार मंत्री, ज्वैल लेक के निदेशक रेखा-रमेश असावा, अखिल भारतीय युवा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप लढ्ढा, दक्षिणी प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राघव कोठारी, गीतांजलि के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट हरप्रीत सिंह, सिटीवीएस सर्जन डॉ. संजय गांधी, नेफ्रोलॉजिस्ट जी के मुखिया ने मार्गदर्शन प्रदान किया। समारोह में समाज के वरिष्ठ रामपाल सोनी, भीण्डर के एसडीएम रमेश बहेड़िया, राजसमंद में जीएसटी सहायक आयुक्त मोहित मूंदड़ा, भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अलका मूंदड़ा व नगर निगम उदयपुर में निर्माण समिति अध्यक्ष आशीष कोठारी को माहेश्वरी पावर आइकंस सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में गीतांजलि हॉस्पिटल चीफ फाइनेंस ऑफिसर सीए रोशन जैन, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अनीस जुक्करवाला, कंसल्टेंट आईसीयू केयर डॉ. संजय पालीवाल, कंसल्टेंट डेंटल डिपार्टमेंट डॉ. ज्योति कुंडू, जनरल मैनेजर कल्पेश चंद राजभर, पीआर मीडिया मैनेजर हरलीन गंभीर सहित सभी वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों का भी अभिनंदन किया गया। संचालन आयुषी पलोड़ ने किया।

राज्य फुटबॉल संघ में मानवेंद्र अध्यक्ष व दिलीप सिंह सचिव निर्वाचित

उदयपुर। राजस्थान फुटबॉल संघ के चुनाव गत दिनों उदयपुर में संपन्न हुए। नवगठित

कार्यकारिणी में मानवेंद्र सिंह जसोल (अध्यक्ष), दिलीप सिंह शेखावत को (सचिव) बनाया गया है। आगामी चार साल के लिए गठित कार्यकारिणी में उदयपुर के दिलीपसिंह शेखावत को लगातार दूसरी बार सचिव और उदयपुर जिला संघ के सचिव शकील अहमद को उपाध्यक्ष बनाया है। चुनाव अधिकारी चन्द्रशेखर परमार थे। निर्विरोध कार्यकारिणी की घोषणा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से ऑब्जर्वर कीपा अजय, स्पोर्ट्स कौंसिल के अशोक चौधरी, ओलिंपिक संघ के सुरेंद्र सिंह की मौजूदगी में की गई। संघ की वार्षिक बैठक एवं चुनाव समापन समारोह के मुख्य अतिथि गुजरात फुटबॉल संघ के सचिव मूलराजसिंह ने विजेता उम्मीदवारों को साफा एवं माला पहनाकर नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यकारिणी इस प्रकार है: कैलाशचन्द खटीक (कोषाध्यक्ष), महेन्द्रसिंह बिजारनीया, मांगीलाल काबरा, निर्मल माथोडिया एवं अरविंद पाल सिंह (उपाध्यक्ष) रफीक अहमद सिंधी, कृष्ण अवतार शर्मा, मानवेंद्र सिंह अलवर, सुनील राव एवं दिनेश सिंह चौहान (संयुक्त सचिव) और मांगीलाल सोलंकी तथा गुरमीत मान कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए।

हुंडई की अल्काजर उदयपुर में लॉन्च

उदयपुर। हुंडई मोटर इंडिया के डीलर बड़ोला हुंडई पर अल्काजर को लॉन्च किया गया। इस अवसर पर डीलर प्रिंसिपल विवेक बड़ोला व रोहित बड़ोल मौजूद रहे। दी बोल्ड न्यू हुंडई अल्काजर की शुरुआती कीमत 14.99 लाख रुपए है। इसमें कई एडवांस फीचर्स को शामिल किया है।

हिंदुस्तान जिंक को 5 स्टार रेटिंग

उदयपुर। भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जस्ता उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को भारतीय खान ब्यूरो ने फाइव स्टार रेटिंग का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया है। कंपनी ने स्टार रेटिंग सिस्टम के आधार पर वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सस्टेनेबल डवलपमेंट फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन में अपने अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए यह सम्मान अर्जित किया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय खान ब्यूरो द्वारा 1200 से अधिक खदानों का मूल्यांकन कर 68 को 5 स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया। देशभर में 68 खदानों में से हिंदुस्तान जिंक की रामपुरा अगुचा और सिंदेसर खुर्द खदानें 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली एकमात्र पूर्ण मेकेनाइज्ड भूमिगत खदानें हैं।

संस्कृत गीतों से मंत्रमुग्ध फ्रांस के विद्यार्थी

उदयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अंतरविद्यालय संस्कृत समूह गीत प्रतियोगिता संपन्न हई। इसमें 27 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। समूह गीत प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रादेशिक परिवहन अधिकारी नेमीचन्द्र पारीक थे। फ्रांस के 50 विद्यार्थियों ने शाला भ्रमण किया और परस्पर विचार साझा किए। यह दल संस्कृत गीत सुनकर मंत्र मुग्ध हो गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य संजय नरवरिया, उप प्राचार्य राजेश धाभाई आदि मौजूद रहे।

होटल जिंजर का शुभारंभ

उदयपुर। देश की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडिया होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने गत दिनों शास्त्री सर्कल पर जिंजर उदयपुर की शुरुआत की। अब तक अलका होटल की पहचान रखने वाली होटल को नए रूप में जिंजर उदयपुर के नाम से तैयार किया गया है। यह जानकारी आईएचसीएल की होटल ओपनिंग्स एवं कॉपोरेट कम्युनिकेशंस न्यू बिजनेसिस एक्जीक्यूटीव वाइस प्रेसिडेंट दीपिका राव और आईएचसीएल न्यू ओपनिंग्स वाइस प्रेसिडेंट मनीष कुमार ने दी। इस अवसर पर राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी, होटल व्यवसायी कमल भंडारी, ऋषित भंडारी एवं निशित भंडारी मौजूद थे। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन से शुरुआत की।

डॉ. व्यास को संस्कृत विद्वत पुरस्कार

कोटा। संस्कृत दिवस पर राज्य सरकार और संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के 36 संस्कृत विद्वानों का यहां सम्मान किया गया। इसमें राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय सवीना खेड़ा, उदयपुर के प्रिंसिपल व संस्कृत विद्वान डॉ. भगवती शंकर व्यास को संस्कृत विद्वत सम्मान से नवाजा गया। इस पुरस्कार में प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी के साथ 31 हजार रुपए की राशि दी गई। सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, अध्यक्ष भारतीय भाषा समिति आदि मौजूद रहे।

बीएन : एंटी रैगिंग सप्ताह में हुई गतिविधियां

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के प्रबंधक संकाय में एंटी रैगिंग रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में हुआ। जिसमें बीबीए एवं एमबीए के विद्यार्थियों द्वारा एंटी रैगिंग थीम पर शॉर्ट वीडियो बनाए गए। कार्यक्रम के आयोजन पर विद्या प्रचारिणी सभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, मंत्री डॉ. महेन्द्रसिंह आगरिया एवं भूपाल नोबल्स संस्थान के प्रबंधक निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने बधाई दी।

स्वामी गोविंद देव गिरि को डी.लिट. की उपाधि

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के 19वें विशेष दीक्षांत समारोह में स्वामी गोविंद देव गिरि को अध्यात्म और भारतीय पुरातन ज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए डी.लिट की उपाधि से नवाजा गया। विशिष्ट अतिथि प्रधानमंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ओ.पी. पाण्डेय व कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर थे, जबकि अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय जानी ने की। कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने स्वामी जी एवं अतिथियों का स्वागत किया।

शिक्षक समाज के मार्गदर्शक

उदयपुर। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति की ओर से शिक्षक दिवस पर महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, धानमण्डी में शिक्षकों का सम्मान किया। जिला संयोजक पंकज कुमार शर्मा ने शिक्षकों को तिरंगा उपरणा, श्रीफल और प्रतीक चिह्न प्रदान कर अभिनंदन किया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। प्रधानाचार्य रिचा रूपल व्यास, प्रमोद चौधरी, योगिता वाधवानी, नीता माथुर, डॉ. कमलेश सुथार, किरण दुर्गावत, सुरेश कालानी, मूमल टॉक, खुशबू मीणा, नीता माथुर, सलीम छीपा, टीना भाटी, सुनीता जैन का सम्मान किया गया।

सेवा गौरव से सम्मानित हुए शिक्षक

उदयपुर। रोटरी क्लब उदयपुर दृष्टि और रोटरी क्लब उदयपुर अशोका की ओर से 30 शिक्षकों का सम्मान किया गया। क्लब अध्यक्ष डॉ. दृष्टि छाबड़ा ने बताया कि शिक्षकों की सेवाओं का महत्व और उनकी समाज निर्माण में भूमिका पर चर्चा की गई। संरक्षक डॉ. स्वीटी छाबड़ा, रोटरी अशोका अध्यक्ष गिरीश राजानी, संस्थापक अध्यक्ष मुकेश माधवानी, हंसराज चौधरी, महेन्द्रपाल सिंह छाबड़ा, सुनीता सिंघवी, वैशाली मोटवानी, ओम दवे, हंसिका मौजूद थे। सहायक गवर्नर जयेश पारिख और शशिकांत गुप्ता ने विचार रखे।

डॉ. अरविंदर सिंह आईआईटी में छात्रवृत्ति के साथ चुने गए

उदयपुर। अर्थ के डॉ. अरविंदरसिंह आईआईटी कानपुर में छात्रवृत्ति के साथ चुने गए है। अर्थ डायग्नोस्टिक के सीईओ और सीएमडी अरविंदरसिंह को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का अध्ययन करने के लिए प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति के साथ आईआईटी कानपुर में चुना गया है। स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए डॉ. सिंह को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय तथा ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी सम्मानित किया गया है।

किचन वेयर सहित विभिन्न उत्पादों की डीलर्स मीट

उदयपुर। माहेश्वरी एण्ड संस की ओर से भूपालपुरा स्थित लोट्स शोरूम पर संभागीय डीलर्स मीट आयोजित की गई। निदेशक राकेश माहेश्वरी ने बताया कि इसमें शामिल हुए 250 से अधिक डीलर्स के जेपी, केंट, विनोद, सेलो, पॉलीसेट, क्वालिस, ब्रिज, रीच क्राफ्ट, जोडिएक, शेप्स ब्रांड के हाउस होल्ड, किचन वेयर, कूक वेयर, क्रॉकरी, होम एप्लायंसेस व आरओ के लॉन्च नवीन उत्पादों की जानकारी दी गई। एमएम होमवेयर के निदेशक आयुष माहेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर कम्पनियों के एरिया सेल्स मेनेजर संजय गुप्ता, मोहित पुंज, हितेन्द्र कुमार, शलभ सहित अनेक प्रतिनिधि मौजूद थे।

ब्यूटी कांटेस्ट में आदिवासी किरण

उदयपुर। आदिवासी क्षेत्र की किरण मीणा ने राजस्थान स्तर पर आयोजित ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भाग लेकर टॉप 5 में जगह बनाई। गत दिनों जयपुर में मिसेज राजस्थान 2024 में फॉर्थ रनर अप रही। इस इवेंट में राजस्थान भर से 17 फाइनलिस्ट में किरण मीणा चुनी गई और अपने सौंदर्य व बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए पहले टॉप 5 में जगह बनाई और उसके बाद वे फॉर्थ रनर अप चुनी गई। उन्हें मिसेज फिटनेस फ्रीक के टाइटल से भी नवाजा गया।

डीपीएस सह शैक्षणिक शिक्षण में राज्य में प्रथम

उदयपुर। शिक्षण संस्थाओं के लिए हुए सर्वे के तहत दिल्ली पब्लिक स्कूल उदयपुर को करिकुलर एज्युकेशन की श्रेणी में राजस्थान में रैंक-1 तथा उदयपुर शहर में रैंक-1 के पुरस्कार से नवाजा गया है। स्कूल को यह पुरस्कार एज्युकेशन टुडे ने नॉर्थ एड्यूकेट समिट - 2024 एंड नॉर्थ इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड में दिया। प्राचार्य संजय नरवरिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार विद्यालय की प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक अग्रवाल व आशिता अग्रवाल ने ग्रहण किया।

डॉ. चन्द्रकला को फाल्के आइकोनिक सम्मान

उदयपुर। कथक आश्रम की निदेशक डॉ. चन्द्रकला चौधरी को दिल्ली में डीपीआईएएफ (भारत-दुबई) की ओर से आयोजित दादा साहब फाल्के आइकोनिक सम्मान दिया गया। डॉ. चन्द्रकला चौधरी को ये अवार्ड उनकी कला के क्षेत्र में नेशनल व इंटरनेशनल योगदान के लिए दिया गया।

सुराणा अध्यक्ष व पटेल महासचिव

उदयपुर। उदयपुर मार्बल प्रोसेसर्स समिति वर्ष 2024-25 कार्यकारिणी चुनाव में युवा उद्यमी कपिल सुराणा दूसरी बार अध्यक्ष व महासचिव डॉ. हितैष पटेल को निर्विराध चुना गया। चुनाव अधिकारी महेन्द्र टाया ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में कपिल सुराणा अध्यक्ष, प्रदीप बाबेल-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विनोद कुमार रांदेड उपाध्यक्ष, हितेष पटेल महासचिव, ऋषि कटारिया संयुक्त सचिव, रमेश जैन कोषाध्यक्ष, प्रवीण कोठारी, आनंद पटवा, कपिल पोद्दार, विकास पोरवाल, आशुतोष सिसोदिया, पवन जैन निर्विरोध कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए।

हैप्पी होम स्कूल ने मनाया अपना 50वां स्थापना दिवस

उदयपुर। हैप्पी होम स्कूल ने विभिन्न आयोजनों के साथ अपना 50वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर अभिभावकों के लिए विशेष कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि श्रीनिवासन अय्यर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गायत्री तिवारी ने की। संस्थापक डॉ. जगदीश अरोड़ा ने 49 साल की उपलब्धियों के बारे में बताया।

रॉयल स्कूल के दो छात्रों का जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में चयन

उदयपुर। रॉयल पब्लिक स्कूल के दो छात्रों का चयन राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्र निखिल गवारिया व सम्राट सिंह राठौड़ ने स्कूल के शारीरिक शिक्षक मुकेश कुमावत के नेतृत्व में हाल ही में संपन्न जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर अपनी जगह बनाई है। रॉयल एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष इंजीनियर जीएल कुमावत ने इस बड़ी उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे स्कूल के लिए गर्व बताया।

प्रो. मिश्रा से चित्तौड़ा ने लिया प्रमाण पत्र

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा ने गत दिनों सूक्ष्म पुस्तिका कलाकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा को इंडियन प्राउड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, हरियाणा द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र भारतीय अनमोल रत्न व मेडल प्रदान किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार श्वेता फगेडिया व वित्त नियंत्रक सीमा यादव भी उपस्थित थे।

डॉ. मानसी राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम

उदयपुर। इंडियन मेनोपॉज सोसायटी ने राष्ट्रीय स्तर पर नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें उदयपुर से डॉ. मानसी अग्रवाल ने एकल नृत्य प्रविष्टि में भाग लिया और राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार जीता। समूह नृत्य में डॉ. कौशल चुंडावत, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. अनामिका जैन और डॉ. नलिनी शर्मा ने दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। उदयपुर मेनोपॉज सोसायटी की स्थापना 2009 में की गई थी, जिसका उद्देश्य मध्य आयु वर्ग की महिलाओं की देखभाल और महिला कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चंचल महामंत्री

उदयपुर. जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान के नव मनोनीत जिलाध्यक्ष मदनलाल अग्रवाल की अनुशंसा पर पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष केके गुप्ता ने उदयपुर जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान की कार्यकारिणी का विस्तार कर एडवोकेट सत्यनारायण गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चंचल कुमार अग्रवाल को महामंत्री एवं विवेक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया।

राजेश बी मेहता बने गुजराती समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

उदयपुर। अखिल राजस्थान गुजराती समाज की बैठक अजमेर में हुई। अध्यक्ष जी.डी. पटेल ने उदयपुर के राजेश बी मेहता को समाज का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया। मेहता अभी उदयपुर गुजराती समाज के अध्यक्ष भी हैं। उन्हें साल 2024 से 2027 के लिए अखिल राजस्थान गुजराती समाज का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है।

एसपीएसयू में हुई स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 प्रिलिम्स

उदयपुर. सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय (एसपीएसयू) उदयपुर में कुलपति प्रो. (डॉ.) पृथ्वी यादव के नेतृत्व में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 प्रिलिम्स का आयोजन किया गया। उद्घाटन भाषण में डॉ. यादव ने टीमवर्क, धैर्य, रचनात्मक समस्या-समाधान के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को अपनी क्षमताओं को बढ़ाने और समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि एसपीएसयू की छात्र टीम ने हाल ही में एसआईएच ग्रैंड फिनाले में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत समस्या के समाधान के लिए एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार जीता।

Dilip Galundia
Director
NANO POLYPLAST
PRIVATE LIMITED
A-104, 1ST Floor, GLG, Complex,Dr. Shurveer Singh Marg, Fatehpura,
Udaipur-313004 (Rajasthan) Ph :- +91 0294-2452626/27
Website :- www.galundiagroup.com
Email:sales@galundiagroup.com I nanoplast@yahoo.co.in

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती सुमनजी भंडारी (धर्मपत्नी श्री राजेन्द्रसिंह जी भंडारी) का 30 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति, पुत्र रोहित व एडवोकेट सुमित, पौत्र-पौत्री एवं जेठ-जेठानियों व देवर-देवरानी का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती गंगाबाई जी लखारा (धर्मपत्नी स्व. श्री रामप्रसाद जी) का 31 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त परिवार में पुत्र कैलाश व जगदीश, पुत्रियां श्रीमती सुंदरदेवी, बसंती देवी व पुष्पादेवी तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा घर संसार छोड़ गई हैं।

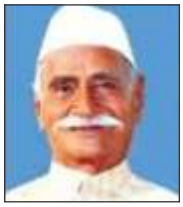

उदयपुर। श्री हरिमजी पंजाबी का 26 अगस्त को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती धनवंती देवी, पुत्र विजय व संजय, पुत्रियां श्रीमती मीना डुडेजा, शोभा चुग, अनिता रेहिड़, भागवंती मंगवानी व सरिता कस्तूरी, पौत्र-पौत्री व दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध एवं संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती विजयलक्ष्मी जी पुरोहित धर्मपत्नी श्री सोहनलाल जी पुरोहित (कोशीवाड़ा) का 19 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र गोविंद व माधव तथा पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री रामचन्द्रजी नैणावा का 28 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र चन्द्रप्रकाश, पुत्रियां श्रीमती भानु, रंजना देवी व रेणु राठौड़ सहित भाई-भतीजों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री राजेन्द्र कुमार जी बोराणा का 6 सितम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती ओमादेवी, पुत्र रवि किरण, डॉ. पंकज सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्री, दोहित्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री प्रभाषचन्द्र जी पाण्डे (सुखवाल) का 11 सितम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती विमला जी पाण्डे, पुत्र रोहित व मोहित, पौत्र-पौत्रियों का संपन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री मोहनलाल जी बोकड़िया का आकस्मिक स्वर्गवास 24 अगस्त को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती चंदनबालाजी, पुत्र मोहित, पुत्री रेखा धाकड़, दोहित्र, पौत्र, पौत्री व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री हरिवल्लभ जी व्यास का 8 अगस्त को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती यमुना व्यास, पुत्र सुधीर, मुकेश व भरत, पुत्री कामिनी, पौत्र, पौत्री, दोहित्र, दोहित्री व भाई-भतीजों का बड़ा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सम्पतराज जी चपलोत का 8 सितम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती विमलादेवी, पुत्र विनोद चपलोत (मुख्य कार्यकारी अधिकारी महिला समृद्धि बैंक), पुत्रियां श्रीमती संगीता सिंघवी, राजेश्वरी लोढ़ा व नीता बापना, पौत्र-पौत्री सहित भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री भंवरलाल जी समदानी (89) का 4 सितम्बर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबदेवी, पुत्रवधु श्रीमती ऋतु (पत्नी स्व. श्री कन्हैयालाल जी) पुत्र अचल, महेन्द्र व नरेन्द्र, पुत्रियां श्रीमती सुशीला, निर्मला व कुसुमदेवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जयपुर। डॉ. भूपेन्द्र कुमार जी मेघवाल निवासी उदयपुर का 23 अगस्त को यहां आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी एवं सहित भाई-भतीजों का वृहद एवं संपन्न परिवार छोड़ गए हैं। उदयपुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़े भ्राता एल.सी. मेघवाल, कैलाशचन्द्र मेघवाल (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष) व बहिनों श्रीमती सुशीला, कुसुम, भतीजों व मित्रों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उदयपुर। प्रख्यात साहित्यकार एवं सुखाड़िया विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कृष्णकुमार शर्मा (90) का 2 सितम्बर को देहावसान हो गया। जयपुर में 5 फरवरी 1934 को जन्मे डॉ. शर्मा देश के प्रख्यात शैली वैज्ञानिक व आलोचकों में अग्रणी थे। वर्ष 1964 में उन्होंने राजस्थान की लोक गाथाएं विषय पर पीएचडी की। उदयपुर विश्वविद्यालय में सेवाएं देने के बाद वे जम्मू विश्वविद्यालय में भी हिंदी के प्रोफेसर रहे। केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा में उन्होंने कुछ समय सेवाएं दी और वहीं से 1984 में सेवानिवृत्त हुए। वे अपने पीछे शोक संतप्त परिवार में पुत्र डॉ. रवीन्द्र शर्मा, पुत्री-दामाद डॉ. सोमा-जगदीश जोशी, डॉ. संगीता-डॉ. सुशील निम्बार्क व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं। राजस्थान साहित्य अकादमी, नूतन साहित्य संगम, प्रसंग संस्थान, युगधारा सहित विभिन्न साहित्यिक संगठनों ने उनके निधन को हिंदी साहित्य की अपूरणीय क्षति बताया।

उदयपुर। अ.भा. कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगर परिषद उदयपुर के पूर्व सभापति श्री युधिष्ठिर जी कुमावत की धर्मपत्नी धर्म परायणा समाज सेविका श्रीमती सुंदरदेवी जी का 28 अगस्त 24 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकसंतप्त पति, पुत्र प्रशांत व रोहित, पुत्री श्रीमती मेघा सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्री, जेठ-जेठानियों, देवर-देवरानियों व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक संगठनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

Vikram Arora
Managing Director

ARORA'S
JK NATURAL MARBLES LIMITED

ARORA GROUP
- ▲ Dairy
- ▲ Realty
- ▲ Mining
- ▲ Hospitality
- ▲ Distillery
- ▲ Trading

G-1, The IDEA Apartment, 14-A-1, New Fatehpura, Opp. Allahabad Bank
Udaipur - 313 004 (Raj.) India, Tel : +91 294-2414684 / 2810352

Corporate Office :
237, Ekta Co-operative Housing Society Ltd., Unit No. 1896
Motilal Nagar No. 1, Road No. 4, Opp. Ganesh Mandir Ground, Goregaon, West Mumbai - 400104

www.jkmarble.com ❙ vikramarora@jkmarble.com

Saylus Medicare
Health Care at your Doorstep
HEAL AT HOME
CERTIFIED ISO 9001:2015 COMPANY
बुजुर्गों एवं बीमारों की सेवा के लिए सहायककर्मी (पुरूष / महिला)।
डॉक्टर और फिजियोथेरेपी ऑन कॉल ।
एम्बुलेन्स सुविधा (साधारण / क्रिटीकल)।
गंभीर बीमार की घर पर ICU नर्सिंग केयर ।
7665545555 www.saylussmedicare.com Udaipur | Bhilwara

UCWL UDAIPUR CEMENT WORKS LIMITED

PLATINUM SUPREMO CEMENT | PLATINUM HEAVY DUTY CEMENT

घर बनाएं प्लैटिनम स्ट्रॉन्ग

मज़बूत निर्माण को चाहिए चैम्पियन की ताकत। निर्माण कार्यों की स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए, उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड पेश करते हैं प्लैटिनम हैवी ड्यूटी सीमेंट और प्लैटिनम सुप्रीमो सीमेंट। जो बने हैं आधुनिक तकनीक से और एक चैम्पियन की तरह हैवी ड्यूटी निर्माण करके, हर घर को बनाते हैं ज़बरदस्त स्ट्रॉन्ग।

हेल्पलाइन नं.: 1800 102 2407 www.udaipurcement.com facebook.com/platinumhdcement instagram.com/platinumhdcement

RK GROUP

वंडर लाइए, फर्क नज़र आएगा

Toll-free No.: 1800 31 31 31 | wondercement.com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 6, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001